RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 145 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 19-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 नीतीश कुमार को महिला से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए : जावेद अख्तर

6 काकोरी कांड : आजादी के संघर्ष का अमर अध्याय

7 जब आप डर की बजाय जीवन को चुनते हैं, सब कुछ बदल जाता है : कुब्रा सैत

फर्स्ट टेक

'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के शिल्पकार राम सुतार का 100 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के शिल्पकार राम सुतार का बुधवार देर रात नोएडा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 100 वर्ष के थे और वृद्धावस्था संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। सरदार वल्लभभाई पटेल की विशाल प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' गुजरात में स्थापित की गई है। शिल्पकार के पुत्र अनिल सुतार ने बृहस्पतिवार को प्रेस के साथ साझा किए एक नोट में कहा, ''अत्यंत दुख के साथ हम आपको सूचित करते हैं कि मेरे पिता श्री राम वनजी सुतार का 17 दिसंबर की मध्यरात्रि को हमारे निवास पर निधन हो गया।'' राम सुतार का जन्म 19 फरवरी 1925 को महाराष्ट्र के धुले जिले के गोंडूर गांव के एक साधारण परिवार में हुआ था।

मुंबई के बांद्रा से आठ फुट लंबा अजगर बचाया गया

मुंबई/भाषा। मुंबई के बांद्रा (पूर्व) इलाके से आठ फुट लंबा अजगर बचाया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह अजगह बुधवार रात एक राजमार्ग के पास कलानगर इलाके में देखा गया था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बचावकर्ता कौशिक किनी और ऋषित सावंत की मदद ली और अजगर को बचा लिया गया। कुछ दिन पहले पड़ोसी धारावी इलाके में एक 'डक्ट' से नौ फुट लंबा अजगर बचाया गया था।

पाकिस्तान ने चिनाब के प्रवाह में कथित उतार-चढ़ाव पर भारत से स्पष्टीकरण मांगा

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने चिनाब नदी के प्रवाह में कथित उतार-चढ़ाव पर बृहस्पतिवार को चिंता जताते हुए कहा कि उसने स्पष्टीकरण मांगने के लिए भारत को एक पत्र लिखा है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा, ''हमारे सिंधु जल आयुक्त ने सिंधु जल संधि में निहित प्रक्रियाओं के अनुसार इन मुद्दों पर स्पष्टीकरण मांगते हुए अपने भारतीय समकक्ष को एक पत्र लिखा है।'' उन्होंने कहा, ''हम भारत से आग्रह करते हैं कि वह पाकिस्तानी सिंधु जल आयुक्त द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब दे, नदी के प्रवाह में किसी भी एकतरफा हेरफेर से परहेज करे और सिंधु जल संधि के प्रावधानों के तहत अपने दायित्वों का अक्षरशः पालन करे।'' बाईस अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकवादी हमले के एक दिन बाद, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ उठाये गए दंडात्मक कदमों के तहत 1960 की सिंधु जल संधि को ''स्थगित'' कर दिया था।

21वीं सदी का भारत बड़े व त्वरित निर्णय लेता है : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मस्कट/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 21वीं सदी का भारत बड़े और त्वरित फैसले लेता है, बड़े लक्ष्य तय करके आगे बढ़ता है और समयबद्ध तरीके से परिणाम देता है। दो दिवसीय ओमान यात्रा पर आए मोदी ने यहां भारतीय छात्रों और समुदाय के सदस्यों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। छात्रों और भारतीय समुदाय के सदस्यों ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया और उत्साहपूर्वक नारे लगाते हुए तालियों के साथ उनका अभिनंदन किया।

मोदी ने अपने संबोधन के दौरान वहां उपस्थित लोगों को 'लघु-भारत' की संज्ञा दी, जिसके बाद उपस्थित लोगों ने मोदी, मोदी, मोदी के नारे लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने इस अवसर पर भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों की उपस्थिति का जिक्र करते हुए कहा, आज हम सब एक परिवार की तरह एकत्र हुए हैं। आज हम अपने देश और टीम इंडिया का उत्सव मना रहे हैं। भारत में, हमारी विविधता हमारी संस्कृति की मजबूत नींव है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी रेखांकित किया कि सह-अस्तित्व और सहयोग भारतीय प्रवासी समुदाय की पहचान रहे है। भारत के परिवर्तनकारी विकास, इसकी प्रगति, परिवर्तन के पैमाने, और अर्थव्यवस्था की ताकत का जिक्र करते हुए मोदी ने पिछली तिमाही में आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की राह पर दृढ़ता से बढ़ रहा है, और यह तब हुआ जब पूरी दुनिया चुनौतियों से जूझ रही थी। उन्होंने कहा, ''21वीं सदी का भारत बड़े और त्वरित फैसले लेता है, बड़े लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ता है और तय समयसीमा के भीतर परिणाम देता है।''

प्रधानमंत्री मोदी को 'ऑर्डर ऑफ ओमान' सम्मान से नवाजा गया

मस्कट/भाषा। ओमान के सुलतान हैसम बिन तारिक ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदान के लिए बृहस्पतिवार को उन्हें विशेष नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से नवाजा। प्रधानमंत्री मोदी को ओमान की दो दिवसीय यात्रा के दौरान यह सम्मान दिया गया। तीन देशों के अपने दौरे के दौरान मोदी जॉर्डन और इंडोनेशिया की यात्रा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मान समेत दूसरे देशों में 28 से अधिक उच्चतम नागरिक सम्मान से नवाजा जा चुका है। हाल ही में उन्हें इथियोपिया में ग्रेट ऑनर निशां ऑफ इथियोपिया' और कुवैत में ऑर्डर ऑफ मुबारक अल-कबीर से सम्मानित किया गया था।

भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौते से द्विपक्षीय संबंधों में नई ऊर्जा आएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मस्कट/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) द्विपक्षीय संबंधों को नया विश्वास एवं ऊर्जा प्रदान करेगा और दोनों देशों में वृद्धि के अवसर भी पैदा करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां आयोजित 'भारत-ओमान व्यापार शिखर सम्मेलन' में यह बात कही।

उन्होंने अपने संबोधन में मांडवी से मस्कट तक दोनों देशों के बीच सदियों पुराने समुद्री व्यापारिक संबंधों का उल्लेख किया जो वर्तमान समय में जीवंत वाणिज्यिक आदान-प्रदान की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के 70 वर्ष पुराने कूटनीतिक संबंध सदियों से निर्मित विश्वास और मित्रता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में भारत और ओमान ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। इसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा गया है।

सीईपीए को भारत-ओमान के साझा भविष्य की रूपरेखा करार देते हुए प्रधानमंत्री ने व्यापार जगत के लोगों से इस समझौते की पूरी क्षमता का लाभ उठाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''आज हम एक ऐसा ऐतिहासिक निर्णय ले रहे हैं, जिसकी गूंज आने वाले कई दशकों तक सुनाई देगी। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) हमारी साझेदारी को 21वीं सदी में नया विश्वास एवं नई ऊर्जा प्रदान करेगा।''

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा

संस्कृति में बसती है राष्ट्र की आत्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर किसी देश से उसकी संस्कृति को अलग कर दिया जाए, तो वह देश बेजान हो जाता है और अपनी पहचान खो देता है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारतीय संस्कृति ने खुद को 'सनातन' संस्कृति के रूप में स्थापित किया है।

आदित्यनाथ ने कहा, ''राष्ट्र की आत्मा उसकी संस्कृति में बसती है। जैसे किसी मनुष्य की आत्मा उसके शरीर से संबंध तोड़ देती है तो शरीर निस्तेज हो जाता है, उसी प्रकार किसी भी राष्ट्र की संस्कृति को अगर उससे अलग कर दिया जाए तो राष्ट्र निस्तेज हो जाता है। वह खंडहर में परिवर्तित हो जाता है और अपनी पहचान को खो देता है।''

एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के आरंभिक कार्यक्रम में कहा कि यह अवसर हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

योगी ने कहा, ''भारत की कला, स्वर व लय ने अपनी पहचान को विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए जो निरंतरता दी उसी के बदौलत हमारी सनातन संस्कृति विश्व में खुद को स्थापित करने और आगे बढ़ाने में सफल हुई है। कलाकार की कला एक ईश्वरीय गुण है जिसकी हमें अवमानना नहीं करनी चाहिए। कलाकार किसी भी विधा से जुड़ा हो, उसे प्रोत्साहित करना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी भारत की सांस्कृतिक चेतना, स्वर, लय और संस्कार को इस संस्थान ने एक नई पहचान दी है।

लालकिला विस्फोट मामला

एनआईए ने कश्मीर निवासी नौवें आरोपी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने लालकिला क्षेत्र विस्फोट के सिलसिले में जम्मू कश्मीर के रहने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो आत्मघाती उमर-उन-नबी का करीबी सहयोगी है। यह इस मामले में नौवीं गिरफ्तारी है। यह जानकारी अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को दी। अधिकारियों ने बताया कि यासिर अहमद डार ने 10 नवंबर को हुए उस धमाके की साजिश में कथित तौर पर सक्रिय भूमिका निभायी थी, जिसमें 15 लोगों की मृत्यु हो गई और कई अन्य घायल हो गए थे। एनआईए ने बताया कि साजिश में सक्रिय रूप से शामिल डार ने आत्मघाती अभियानों को अंजाम देने की कथित तौर पर शपथ ली थी। एनआईए के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''इस मामले में गिरफ्तार किया गया नौवां व्यक्ति यासिर अहमद डार श्रीनगर (जम्मू कश्मीर) के शोपियां का रहने वाला है। उसे एनआईए ने नई दिल्ली से पकड़ा और गिरफ्तार कर लिया...।''

विस्तारित सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता हासिल करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को संसद को सूचित किया कि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तारित स्वरूप में भारत की स्थायी सदस्यता हासिल करने को 'सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और देश द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय, दोनों स्तरों पर इसके लिए लगातार प्रयासरत है।

विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को बताया कहा कि

भारत अन्य सुधारवादी समूहों और देशों के साथ भी मिलकर काम करता है।

विदेश मंत्रालय से सुरक्षा परिषद में भारत के लिए स्थायी सीट हासिल करने में मौजूदा चुनौतियों से निपटने की रणनीति के बारे में सवाल किया गया था। सिंह ने कहा, ''भारत सरकार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तारित स्वरूप में भारत की स्थायी सदस्यता हासिल करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। भारत इस प्रयास में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों स्तरों पर निरंतर लगा हुआ है। भारत अन्य सुधारवादी समूहों और देशों के साथ भी मिलकर काम कर रहा है।'' उन्होंने कहा, बहुपक्षीय कूटनीति की प्रकृति ही चुनौती पेश करती है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों के बीच सुरक्षा परिषद के सुधारों की प्रकृति और दायरे को लेकर अलग-अलग राय हैं।

सिंह ने एक अन्य सवाल के लिखित जवाब में बताया कि रूसी सशस्त्र बलों में कार्यरत 26 भारतीयों की कथित तौर पर मृत्यु हो गई है।

19-12-2025 सूर्यास्त 5:57 बजे | 20-12-2025 सूर्योदय 6:36 बजे

BSE	NSE
84,481.81	25,815.55
(-77.84)	(-3.00)

सोना	चांदी
13,850 रु.	207,343 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शस्त्र-दौड़

हम क्रेता प्रबल आयुधों के,
है सबल हमारा शस्त्रागार।
हिंसक फिर ना होगा कैसे,
जन-मन का नैतिक व्यवहार।
दुश्मन को भयभीत करें हम,
वो भी करते रहते वार।
धर्म अहिंसा सिर्फ किताबी,
कड़वा सच कर लें स्वीकार।।

वर्तमान समय में एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभरी है वायु शक्ति : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की उच्च-प्रभाव वाली सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया और पाकिस्तान स्थित कई आतंकी ठिकानों पर हमले के बाद पड़ोसी देश की ''गैर जिम्मेदाराना प्रतिक्रिया'' से निपटने के लिए भारतीय वायुसेना की सराहना की।

सिंह ने भारतीय वायुसेना के शीर्ष कमांडरों को संबोधित करते हुए वायुसेना को तकनीकी रूप से उन्नत, संचालन में चुस्त, रणनीतिक रूप से आत्मविश्वासी और भविष्य-केंद्रित बल बताया, जो लगातार बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर रहा है।

रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकी शिविरों को नष्ट करने में भारतीय वायुसेना के साहस, गति और सटीकता की प्रशंसा की।

सिंह ने निर्णायक बढ़त बनाए रखने के लिए दुश्मन की आक्रामक एवं रक्षात्मक क्षमताओं को गहराई से समझने के महत्व पर जोर देते हुए कमांडरों से ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेने और भविष्य की हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार रहने का आह्वान भी किया। उन्होंने यहां वायुसेना कमांडर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''सामान्यत: जब दुश्मन हमला करता है, तो लोग छिप जाते हैं। लेकिन जब पाकिस्तानी बलों ने भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की, तो भारत के लोग शांत रहे और अपनी दैनिक गतिविधियां जारी रखीं। यह हमारे संचालन तैयारी में हर भारतीय के भरोसे का प्रमाण है।''

युद्ध की बदलती प्रकृति पर सिंह ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष, इजराइल-हमास युद्ध, बालाकोट हवाई हमले और ऑपरेशन सिंदूर यह सब प्रमाण हैं कि आज के समय में वायु शक्ति एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि वायु शक्ति केवल एक सामरिक साधन ही नहीं, बल्कि एक रणनीतिक उपकरण भी है और गति, हैरान करना इसकी अंतर्निहित विशेषताएं हैं।

सिंह ने कहा, वायु शक्ति किसी भी नेतृत्व को यह स्पष्ट सामरिक संदेश देने की क्षमता देती है कि राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर कदम उठाया जाएगा। उन्होंने कहा, गति, पहुंच और सटीकता के माध्यम से, वायु शक्ति देश के उद्देश्यों को सैन्य साधनों के साथ संरेखित करने का एक प्रभावी उपकरण बन गई है। सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रभावी रूप से इस्तेमाल की गई भारत की वायु रक्षा प्रणाली और अन्य उपकरणों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए, देश की सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करने के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता दोहरायी।

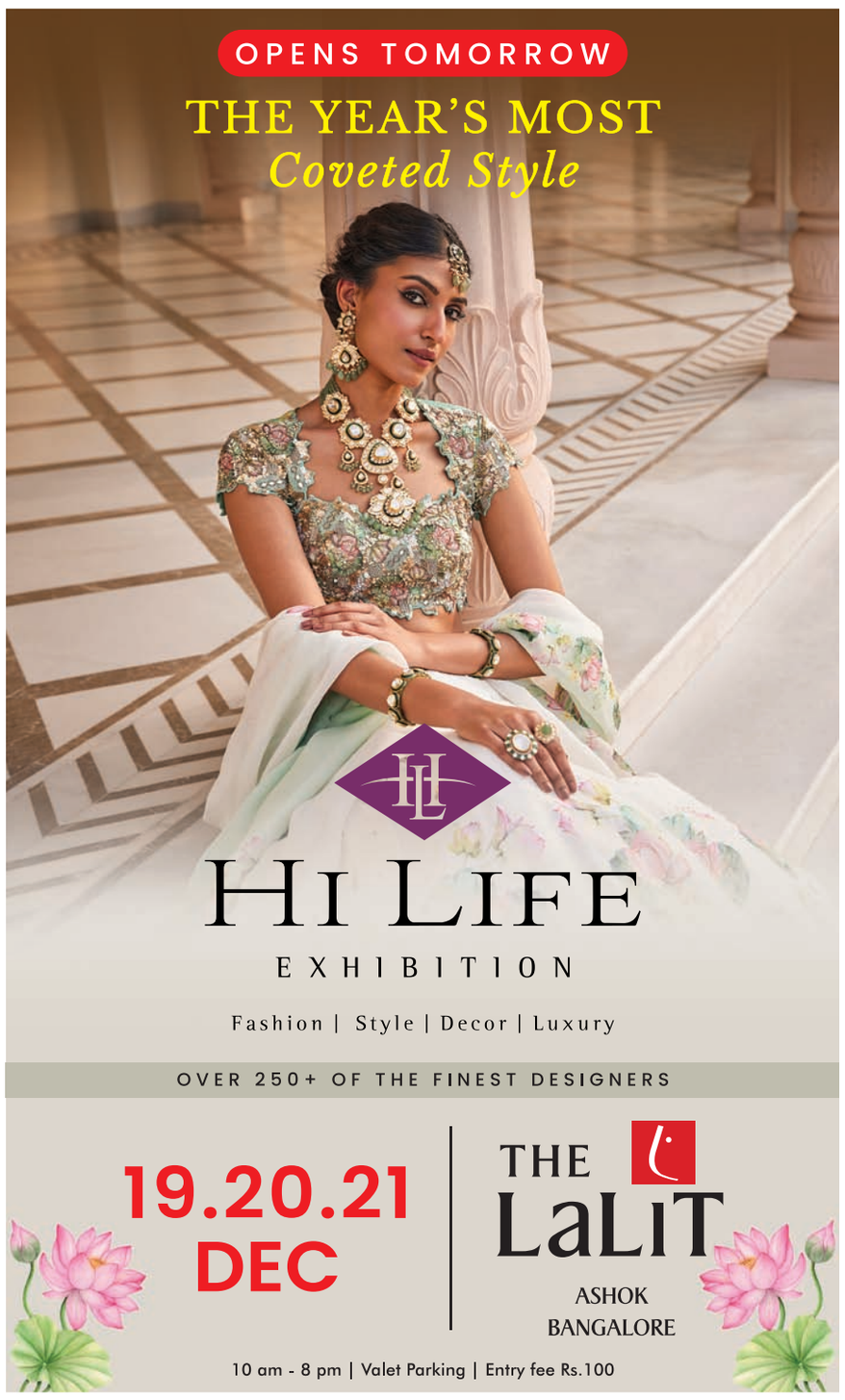

भारत, ओमान ने व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए, श्रम प्रधान क्षेत्रों को मिलेगी शुल्क मुक्त पहुंच

मस्कट/भाषा। भारत और ओमान ने बृहस्पतिवार को मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान में शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान की जाएगी। यह समझौता ऐसे समय में हो रहा है जब भारत को अपने सबसे बड़े निर्यात गंतव्य अमेरिका में 50 प्रतिशत तक के भारी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। यह समझौता भारतीय निर्यातकों को पश्चिम एशियाई क्षेत्र में अपने निर्यात को विविधतापूर्ण बनाने में मदद करेगा, जो अफ्रीका और यूरोप का प्रवेश द्वार है। व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के वाणिज्य, उद्योग और निवेश संवर्धन मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ ने मस्कट में हस्ताक्षर किए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक मौजूद थे। इस समझौते को 2026 की पहली तिमाही तक लागू किए जाने की संभावना है। समझौते के अनुसार, ओमान ने अपनी कुल शुल्क दरों की 98.08 प्रतिशत श्रेणियों पर शून्य-शुल्क पहुंच की पेशकश की है। इसमें ओमान को होने वाले भारत के 99.38 प्रतिशत निर्यात को हिस्सा शामिल है।

मानवीय व्यवहार से जुड़ी हैं अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं : गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि ज्यादातर सड़क दुर्घटनाएं ऐसे लोगों के व्यवहार से जुड़ी होती हैं, जो अक्सर सुरक्षा मानदंडों की अनदेखी करते हैं। उन्होंने लोकसभा सदस्यों से अपने निर्वाचन क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा अभियान चलाने का आह्वान भी किया। गडकरी ने इस तथ्य का उल्लेख करते हुए दुख जताया कि हर साल लगभग पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं जिनमें औसतन 1.80 लाख लोगों की जान चली जाती है और मारे गए लोगों में ज्यादातर युवा होते हैं। निचले सदन में प्रश्नकाल के दौरान मंत्री ने कहा, ''मुझे बड़े दुख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि सड़क दुर्घटनाएं मानव व्यवहार से जुड़ी हैं। सड़क सुरक्षा नियमों की कोई परवाह नहीं है। हर साल सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 1.80 लाख लोगों की जान चली जाती है, जो किसी भी युद्ध या कोविड महामारी में गई जानों से अधिक है। युवा लोग अपनी जान गंवा रहे हैं।'' सड़क सुरक्षा पर भाजपा सांसद मुकेश दलाल के एक पूरक प्रश्न का जवाब देते हुए, गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में मौत के मामलों में 66 प्रतिशत 18-34 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं के होते हैं।

संसद ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी के प्रावधान वाले विधेयक को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने बृहस्पतिवार को परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने के प्रावधान वाले विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी। राज्यसभा ने 'भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025 को चर्चा एवं परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया। उच्च सदन ने विपक्षी सदस्यों द्वारा पेश किए तमाम संशोधनों को भी ध्वनिमत से खारिज कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को कल ही पारित कर चुकी है। इससे पहले विधेयक पर चर्चा के दौरान जहां सत्ता पक्ष के सदस्यों ने विधेयक को ऐतिहासिक और 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण करार दिया वहीं विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसमें आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का प्रावधान नहीं है तथा यह संवेदनशील क्षेत्र में निजी कॉरपोरेट समूहों के लिए रास्ता खोलने वाला है। चर्चा का जवाब देते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले भी थे, लेकिन सत्तापक्ष का विरोध करने के चक्कर में विपक्षी सदस्य अपने समय के प्रावधानों का ही विरोध कर देते हैं।

पंजाब ग्रामीण चुनावों में आप की शानदार जीत मान सरकार पर मुहर : केजरीवाल

मोहाली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि पंजाब में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में उनकी पार्टी के जोरदार प्रदर्शन से यह पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यों पर अपनी मुहर लगाई है। केजरीवाल ने कहा, ''जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में लगभग 70 प्रतिशत सीट आम आदमी पार्टी ने जीती हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह बहुत बड़ी बात है। इससे पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने भगवंत मान के नेतृत्व में आप सरकार द्वारा किए गए कार्यों पर अपनी मुहर लगाई है।'' पार्टी प्रमुख ने कहा कि 2027 में पंजाब विधानसभा के लिए होने वाले चुनाव से लगभग एक साल पहले यह चुनाव हुआ है। केजरीवाल ने कहा कि जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए गए हैं, साथ ही मतदान और मतगणना की वीडियोग्राफी भी की गई थी।

राजनाथ सिंह से नीदरलैंड के विदेश मंत्री ने मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रक्षा सहयोग पर आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से बृहस्पतिवार को यहां नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वान वील ने मुलाकात की। दोनों नेताओं ने रक्षा उपकरणों के ''सह-विकास और सह-उत्पादन'' के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों समेत कई द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा मुद्दों पर चर्चा की।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों मंत्रियों की मौजूदगी में भारत और नीदरलैंड के बीच रक्षा सहयोग पर एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर भी किए गए। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और भारत में नीदरलैंड की राजदूत मारिसा जेराड्र्स के बीच दस्तावेजों का आदान-प्रदान हुआ। मंत्रालय ने बताया कि सिंह और नीदरलैंड के विदेश मंत्री की मुलाकात हुई और ''दोनों देशों के बीच मजबूत एवं बढ़ती रक्षा साझेदारी की पुष्टि की गई''। इस संबंध में एक बयान में कहा गया, ''दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने रणनीतिक साझेदारी के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में रक्षा सहयोग को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सैन्य सहयोग को बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।''

मंत्रालय ने कहा कि चर्चा के दौरान भारत और नीदरलैंड की एक स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला गया। इसने कहा कि दोनों नेताओं ने ''घनिष्ठ रक्षा साझेदारी'' की आवश्यकता और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों को, विशेष रूप से विशिष्ट प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, जोड़ने पर जोर दिया।

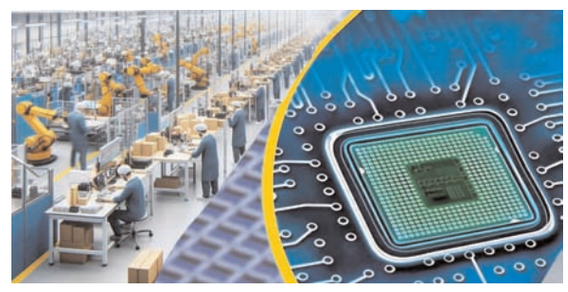

भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नवाचार केंद्र के रूप में खुद को स्थापित कर रहा : लेनन टैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर/भाषा। भारत ने सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में अपनी छवि न केवल 'बैकएंड असेंबलर' के रूप में बनाई है बल्कि यह भविष्य में 'डिजाइन' एवं नवाचार केंद्र के रूप में भी खुद को स्थापित कर रहा है।

सिंगापुर मैन्युफैक्चरिंग फेडरेशन (एसएमएफ) के अध्यक्ष लेनन टैन ने एक किताब में एक लेख में लिखा कि 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' के तहत घोषित रणनीतिक परियोजनाएं 'डिजाइन' से लेकर निर्माण तक पूर्ण क्षमता स्थापित करने का स्पष्ट इरादा जाहिर करती हैं। टैन की ये टिप्पणियां 'भारत-सिंगापुर साझेदारी के 60 वर्ष पूरे होने का जश्न' नामक 112 पृष्ठ की 'कॉफी टेबल बुक' में प्रकाशित हुईं। उन्होंने कहा, '' स्वीकृत निवेश और पहले से ही उत्पादन में लगे शुरुआती स्तर के संयंत्र मजबूत गति को दर्शाते हैं। यह देखकर खुशी होती है कि भारत खुद को न केवल एक 'बैकएंड असेंबलर' के रूप में, बल्कि भविष्य में 'डिजाइन' एवं नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है।'' टैन ने सिंगापुर में सेमीकंडक्टर उद्योग के मजबूत आधार एवं संयुक्त कौशल विकास, उपकरणों की सुव्यवस्थित आवाजाही तथा चिप डिजाइन में अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग का भी उल्लेख किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि '' यह एक लचीली आपूर्ति शृंखला के निर्माण की दिशा में व्यावहारिक कदम हैं।'' एसएमएफ में 5000 से अधिक कंपनी सदस्यों के प्रमुख टैन ने कहा कि सिंगापुर और भारत दोनों ही सेमीकंडक्टर क्षेत्र के महत्व को समझते हैं और इसके अनुरूप ही दोनों देशों के बीच सहयोग विकसित हो रहा है।

गुजरात में 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' के संरक्षण के लिए प्रयास जारी : केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि सरकार गुजरात में 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' (गोडावण) पक्षियों के संरक्षण की दिशा में काम कर रही है। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान अनुपूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यादव ने कहा कि गुजरात सहित कई राज्यों में 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' के संरक्षण के लिए एक कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

वह कांग्रेस सदस्य शक्तिसिंह गोहिल के प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। गुजरात से कांग्रेस सांसद गोहिल ने कहा कि गुजरात के कच्छ में 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' के लिए एक अभयारण्य है, लेकिन वहां केवल तीन मादा पक्षी ही बचे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि ये तीनों मादा पक्षी मर जाती हैं, तो अभयारण्य की भूमि उद्योगपतियों को सौंप दी जाएगी। इस पर यादव ने कहा कि कांग्रेस सदस्य की यह आशंका निराधार है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार गुजरात में 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। मंत्री ने सदन को बताया कि गुजरात के कच्छ में 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' की चार मादा पक्षी हैं, जबकि राजस्थान में इस पक्षी की आबादी 140 है। यादव ने यह भी जानकारी दी कि सरकार 'इंडियन रोलर' (पालापिट्टा) पक्षियों के संरक्षण के लिए कोई 'विशेष परियोजना' नहीं चला रही है। वह भाजपा नेता के. लक्ष्मण द्वारा इस पक्षी की घटती आबादी को लेकर पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नियम से परेशानी हो सकती है, लेकिन आवश्यक है : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नियम से लोगों को असुविधा हो सकती है लेकिन सभी वाहनों की प्रदूषण जांच कराना और उनका प्रमाणन सुनिश्चित करना हम सबकी सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी है। 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नियम के तहत जिन वाहनों के पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नहीं है, उन्हें पेट्रोल पंपों पर ईंधन नहीं दिया जाएगा।

यहां एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुप्ता ने स्पष्ट किया कि वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र के बिना दिल्ली में किसी भी वाहन को ईंधन भरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शहर की बिगड़ती हवा को सुधारने के लिए नियमों का सख्ती से पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, लोगों को असुविधा हो रही है लेकिन दिल्ली में चलने वाले हर वाहन को प्रदूषण फैलाए बिना चलना चाहिए। यह हमारी सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी है कि हम अपने वाहनों को पीयूसी प्रमाणित कराएं। गुप्ता ने कहा, कार-पूलिंग और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। परिवहन व्यवस्था में सुधार वायु गुणवत्ता में सुधार की कुंजी है। कार-पूलिंग एक ही स्थान पर जाने वाले दो या दो से अधिक व्यक्तियों का एक ही वाहन में साथ यात्रा करना है।

नए श्रम कानूनों को निष्पक्षता, समानता की भावना से लागू करने की जरूरत है : न्यायमूर्ति मनमोहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार द्वारा नए श्रम कानूनों को लागू किए जाने की सराहना करते हुए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश मनमोहन ने बृहस्पतिवार को कहा कि नए कानूनों को निष्पक्षता और समानता की भावना से लागू करने की आवश्यकता है, क्योंकि ये भविष्य से संबंधित हैं।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और 'सोसाइटी ऑफ इंडियन लॉ फर्म्स' (एसआईएलएफ) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'डिकोडिंग द कोड्स – कॉन्फ्रेंस ऑन फोर लेबर कोड्स' को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा कि देश के श्रम सुधारों के कार्यान्वयन में स्पष्टता, एकरूपता और संस्थागत तैयारियों की आवश्यकता है। न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा, ''हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि श्रम की गरिमा केवल एक नारा न होकर हमारे वैधानिक ढांचे का हिस्सा हो। सौ साल पुराने कानूनों का समय बीत चुका है। वे इतिहास का हिस्सा हैं। ये नए कानून हमारे भविष्य के लिए हैं। आइए, इन्हें निष्पक्षता और समानता की भावना से लागू करें, जिसके ये हकदार हैं।'' चार श्रम संहिताएं वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता, 2020 गत 21 नवंबर को अधिसूचित की गई हैं। इनके जरिये 29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाया है।

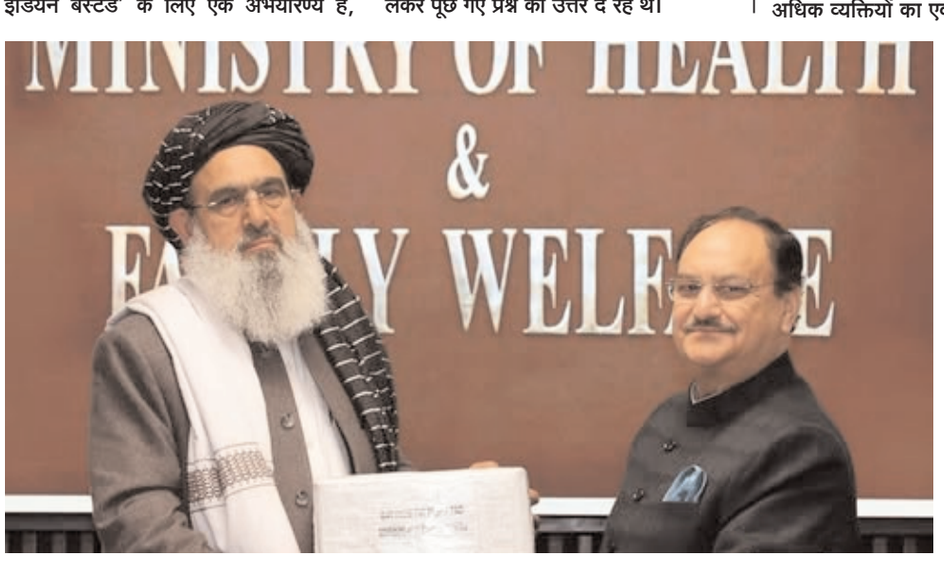

नड्डा ने अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात की, मजबूत चिकित्सा सहायता देने का आश्वासन दिया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा और अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री मौलवी नूर जलाल जलाली के साथ बैठक के दौरान भारत ने अफगानिस्तान के स्वास्थ्य क्षेत्र और मानवीय जरूरतों को समर्थन देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बुधवार को हुई बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने जारी स्वास्थ्य सहयोग की समीक्षा की और स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे, चिकित्सा आपूर्ति एवं क्षमता निर्माण में सहयोग को और मजबूत करने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। नड्डा ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा इस बात पर बल दिया है कि अफगानिस्तान के साथ भारत की भागीदारी कल्याण, क्षमता निर्माण और महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच पर केंद्रित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान को भारत की सहायता मानवीय पहलुओं और दोनों देशों के लोगों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर आधारित है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत ने अफगानिस्तान में कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी दी है और उन्हें लागू किया है। इनमें पक्तिया, खोस्त और पक्तिका प्रांतों में पांच प्रसूति एवं स्वास्थ्य क्लीनिक का निर्माण तथा काबुल में 30 बिस्तरों वाले एक अस्पताल के अलावा काबुल में ट्रॉमा सेंटर, निदान केंद्र और थैलेसीमिया केंद्र जैसी प्रमुख सुविधाओं का निर्माण या उन्नयन शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र को सहायता प्रदान करने के लिए अतिरिक्त प्रस्तावों पर वर्तमान में सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है। बयान में कहा गया है कि भारत ने पिछले चार वर्षों में अफगानिस्तान को 327 टन दवाएं और टीके की आपूर्ति की है। नड्डा ने कहा कि कैंसर की दवाएं और एक सीटी स्कैन मशीन, जैसा कि अफगान सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा अनुरोध किया गया था, भेजे जाने के लिए तैयार हैं और इस महीने के अंत तक इन्हें सौंप दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुलवामा में बीएसएफ के लिए 'उपजाऊ' जमीन देने के फैसले पर पुनर्विचार करें : महबूबा

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बृहस्पतिवार को जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से पुलवामा जिले में सुरक्षा शिविर स्थापित करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को उपजाऊ भूमि आवंटित करने के फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

पुलवामा के पोचल गांव का दौरा करने के बाद मुफ्ती ने पत्रकारों से कहा, यह गांव के बीचोंबीच स्थित उपजाऊ जमीन है। इसे बीएसएफ को शिविर स्थापित करने के लिए नहीं दिया जाना चाहिए क्योंकि कई लोगों की रोजी रोटी इस जमीन से जुड़ी हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री के साथ पुलवामा से पार्टी के विधायक वहीद पारा भी थे। मुफ्ती ने कहा, उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री हैं और उन्हें जनता के हितों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। बीएसएफ को बंजर भूमि दी जा सकती है। वह इस मुद्दे को रक्षा मंत्री के समक्ष भी उठाएंगी। पीडीपी ने हाल में विस में विधेयक पेश किया था जो इन जमीनों की रक्षा करता, लेकिन अब्दुल्ला ने इसे जमीन हड़पने वालों का विधेयक करार दिया।

बच्चों में एचआईवी संक्रमण मिलना शासन तंत्र की विफलता, स्वास्थ्य मंत्री इस्तीफा दें : कांग्रेस

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के सतना में थैलेसीमिया से पीड़ित छह बच्चों के एचआईवी संक्रमित पाए जाने को कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को 'शासन तंत्र की विफलता' करार दिया और कहा कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला को इस घटना की जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विधायक विक्रांत भूरिया ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, यह हादसा नहीं, अपराध है। 2025 में रक्त चढ़ाने से एचआईवी संक्रमित होना दुर्घटना नहीं हो सकता। खून की जांच फेल हुई, टेस्टिंग प्रोटोकॉल तोड़े गए, और निगरानी व्यवस्था ध्वस्त है। यह पूरी तरह सरकारी तंत्र की विफलता है। उन्होंने कहा कि सतना के सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी और जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को निलंबित किया जाना चाहिए तथा घटना की जिम्मेदारी लेते हुए स्वास्थ्य मंत्री को पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। सतना जिला अस्पताल में 16 दिसंबर को खुलासा हुआ था कि थैलेसीमिया से पीड़ित छह बच्चे एचआईवी संक्रमित रक्त (ब्लड ट्रांसफ्यूजन) चढ़ाए जाने से इस लाइलाज बीमारी के शिकार हो गए हैं।

सरकार चीनी के एमएसपी में बदलाव पर सक्रिय रूप से विचार कर रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार चीनी के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और अन्य राहत उपायों पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है। इसका कारण उद्योग ने जनवरी के मध्य से गन्ने के बकाया में तेज वृद्धि की चेतावनी दी है।

भारतीय चीनी एवं जैव-इंधन विनिर्माता संघ (इस्मा) ने कहा कि गन्ने का बकाया बढ़ रहा है और 30 नवंबर तक महाराष्ट्र में यह 2,000 करोड़ रुपए था। मिलें अतिरिक्त स्टॉक, उत्पादन की उच्च लागत, एथनॉल के लिए कम आवंटन, घरेलू कीमतों में गिरावट और वैश्विक स्तर पर अधिक उत्पादन के कारण नकदी संकट का सामना कर रही हैं। इस्मा की वार्षिक आम बैठक के दौरान अलग से बातचीत में चोपड़ा ने कहा, ''उन्होंने (इस्मा) हमें बताया कि गन्ने के बकाया से संबंधित समस्या जनवरी के मध्य से शुरू होगी। हम उस समय सीमा से अवगत हैं और इस पर काम कर रहे हैं। अगले एक महीने में, हम कुछ ऐसे फैसले लेंगे जो उद्योग की मदद करेंगे और किसानों को समय पर भुगतान भी सुनिश्चित करेंगे।'' सरकार सभी विकल्पों पर विचार कर रही है। इसमें एमएसपी में संशोधन, मौजूदा 15 लाख टन से अधिक निर्यात की अनुमति देना, और अधिक एथनॉल के लिए आवंटन जैसे उपाय शामिल हैं। फरवरी 2019 से चीनी का एमएसपी 31 रुपए प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित है। इस्मा ने इसे बढ़ाकर 41.66 रुपए प्रति किलोग्राम करने की मांग की है।

चोपड़ा ने यह स्वीकार किया कि अतिरिक्त चीनी इस साल एक चुनौती है। उन्होंने कहा, ''हम इन सभी पर सक्रिय रूप से विचार कर रहे हैं और उम्मीद है कि सभी अंशधारकों के हित में, हम ऐसे समाधान लेकर आएंगे जो चीनी उद्योग के सभी अंशधारकों को उनका हक दिलाएंगे।'' देश का चीनी उत्पादन 2025-26 सत्र (अक्टूबर-सितंबर) में 3.43 करोड़ टन होने का अनुमान है, जो अधिक गन्ना उत्पादन के कारण होगा। चूंकि गन्ने या चीनी आधारित शीरे से एथनॉल का आवंटन केवल 28 प्रतिशत रहा है, इसलिए लगभग 34 लाख टन चीनी को एथनॉल के लिए हस्तांतरित किया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''हमने सोचा था कि यह अधिक होगा, लेकिन अब हमारे सामने ऐसी स्थिति है जहां यह केवल 34 लाख टन ही है।''

सरकार ने उद्योग की मदद के लिए पहले ही 15 लाख टन निर्यात की अनुमति दे दी है। उन्होंने कहा, ''हम इस बात से वाकिफ हैं कि अधिशेष स्टॉक जमा नहीं होना चाहिए। हम यह भी जानते हैं कि अगला चीनी सत्र और भी बेहतर है। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि स्टॉक जमा होने से जितना हो सके रोका जाए और गन्ने के किसानों को उनका बकाया समय पर मिले।''

छोटी कारों को कड़े ईंधन दक्षता मानकों से छूट देने का टाटा मोटर्स ने किया विरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अग्रणी वाहन निर्माता टाटा मोटर्स ने छोटी पेट्रोल कारों को कड़े कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता (कैफे) मानकों से छूट देने का विरोध करते हुए कहा है कि इससे देश में टिकाऊ एवं स्वच्छ प्रौद्योगिकी पर आधारित मॉडल, खासकर इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का विस्तार प्रभावित होगा।

टाटा समूह की कंपनी ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को भेजे पत्र में कहा है कि भविष्य की प्रौद्योगिकियों में नवाचार और सीधे उन्नत प्रौद्योगिकी को अपनाने की क्षमता अब भारत में दिखने लगी है और यात्री कारों में ईवी की हिस्सेदारी करीब पांच प्रतिशत तक पहुंच गई है। कंपनी ने इस पत्र में कहा, हम यह कहना चाहते हैं कि 909 किलोग्राम तक वजन वाली, 1200 सीसी से कम इंजन क्षमता और 4,000 मिलीमीटर से कम लंबाई वाली पेट्रोल कारों को इन मानकों से छूट देने का प्रावधान, टिकाऊ प्रौद्योगिकी अपनाने पर फोकस को कमजोर कर सकता है। कैफे मानक एक वाहन कंपनी के सभी मॉडल की औसत ईंधन दक्षता और कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए तय किए जाते हैं। इनका उद्देश्य वाहन कंपनियों को इलेक्ट्रिक और अन्य स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

कर्नाटक विधानसभा ने हंगामे के बीच नफरत फैलाने वाले भाषण पर रोक संबंधी विधेयक पारित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक विधानसभा ने बृहस्पतिवार को हंगामे के बीच नफरत फैलाने वाले भाषण पर रोक से संबंधित एक विधेयक पारित कर दिया। यह देश में इस तरह का पहला विधेयक है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस विधेयक को विपक्ष और मीडिया के खिलाफ 'ब्रह्मास्त्र' करार देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य 'वोट बैंक की राजनीति' करना है। भाजपा विधायकों के हंगामे के बीच सदन में घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक पारित कर दिया गया, जिसमें सरकार ने घृणास्पद भाषण के खिलाफ उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों का हवाला दिया। इस विधेयक में सात साल तक की जेल और एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। मंत्रिमंडल ने इस विधेयक को चार दिसंबर को मंजूरी दी थी और 10 दिसंबर को गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने इसे सदन में पेश किया था। विधेयक के अनुसार, ऐसी कोई भी अभिव्यक्ति, जो किसी भी पूर्वाग्रहपूर्ण हित को पूरा करने के लिए जीवित या मृत व्यक्ति, वर्ग या व्यक्तियों या समुदाय के समूह के खिलाफ चोट, असामंजस्य, शत्रुता, घृणा की भावना या दुर्भावना पैदा करने के इरादे से सार्वजनिक रूप से बोले गए या लिखित शब्दों में या संकेतों द्वारा प्रकाशित या प्रसारित की जाती है, वह घृणास्पद भाषण है। विधेयक पर चर्चा करते हुए परमेश्वर ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने नफरत फैलाने वाले भाषणों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि घृणास्पद भाषण और घृणा हत्याओं को जन्म देते हैं, सामाजिक अशांति पैदा करते हैं और समाज को दूषित करते हैं। मंत्री ने बताया कि धर्म, भाषा, दिव्यांगता, लिंग, यौन रुझान, जाति, नस्ल, जन्म स्थान, जनजाति या निवास स्थान के नाम पर पूर्वाग्रह होते हैं। परमेश्वर ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह कानून समाज में एक बड़ा बदलाव लाएगा।''

विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि यह विधेयक जब कानून बनेगा तो यह पुलिस को 'हिटलर' बना देगा। उन्होंने कहा कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक प्रावधान का उल्लंघन करता है। भाजपा नेता ने दावा किया कि यहां तक कि कॉर्टून और तस्वीरों को भी नहीं बख्शा गया है। उन्होंने कहा कि इससे प्रेस की स्वतंत्रता पर भी हमला होगा और डिजिटल स्वतंत्रता पर अंकुश लगेगा।

अशोक ने सत्ताधारी दल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ''यहां बड़े पैमाने पर जबरन वसूली होगी। इस कानून के तहत जमानत नहीं मिलेगी, सिर्फ जेल होगी। इस देश में आपातकाल लागू करने वालों से हम और क्या उम्मीद कर सकते हैं?'' भाजपा नेता ने दावा किया कि इस कानून में उल्लिखित सभी अपराध पहले से ही भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में मौजूद हैं, लेकिन फिर भी कर्नाटक में कांग्रेस सरकार इसे लेकर आई है।

विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''यह विपक्ष के खिलाफ ब्रह्मास्त्र (अत्याधुनिक हथियार) है। कानून का सबसे पहला वार हम पर पड़ेगा और उसके बाद मीडिया की बारी आएगी। अंततः, यह वोट बैंक की राजनीति है।'' चर्चा के दौरान शहरी विकास मंत्री बैरती सुरेश ने कहा कि तटीय कर्नाटक नफरत भरे भाषण और नफरत की आग से उत्पन्न अपराध के कारण ''जल रहा'' है। क्षेत्र के भाजपा विधायकों ने इस पर आपत्ति जताई और फिर सदन में आसन के समीप आ गए। अन्य भाजपा विधायकों ने भी उनका अनुसरण किया। विधानसभा ने हंगामे के बीच विधेयक पारित कर दिया।

सत्ता संघर्ष के बीच 'समान विचारधारा वाले' कांग्रेस विधायक जारकीहोली के रात्रिभोज में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी के भीतर जारी सत्ता संघर्ष के बीच सत्तारूढ़ कांग्रेस के समान विचारधारा' वाले विधायकों ने यहां एक होटल में वरिष्ठ मंत्री सतीश जारकीहोली द्वारा आयोजित रात्रिभोज में शिरकत की। कुछ विधायकों ने जहां इसे राज्य विधानमंडल के जारी शीतकालीन सत्र के दौरान आयोजित एक अनौपचारिक रात्रिभोज बैठक बताया, वहीं अन्य ने कहा कि राज्य के राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की गई। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, बुधवार रात जारकीहोली द्वारा आयोजित रात्रिभोज में 30 से अधिक विधायक शामिल हुए।

जारकीहोली को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का करीबी माना जाता है। उपस्थित लोगों में सिद्दरामय्या के बेटे और विधान परिषद सदस्य यतींद्र सिद्दरामय्या, विधायक केएन राजन्ना समेत अन्य शामिल थे। सूत्रों ने बताया कि सिद्दरामय्या अस्वस्थ होने के कारण रात्रिभोज में शामिल नहीं हुए। यह रात्रिभोज बैठक उस घटनाक्रम के एक सप्ताह बाद हुई जब कुछ मंत्रियों सहित 30 से अधिक कांग्रेस विधायकों ने बेलगावी के बाहरी इलाके में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के साथ रात्रिभोज में भाग लिया था।

जारकीहोली ने बृहस्पतिवार को यहां संवाददाताओं से कहा, ''इसमें कुछ खास नहीं है। समान विचारधारा वाले लोगों को रात्रिभोज देना आम बात है। ऐसी बैठकें होती रहती हैं। हमने भी कल एक बैठक की थी। इसमें कुछ खास नहीं था और ज्यादा राजनीतिक चर्चा नहीं हुई।'' उन्होंने कहा कि ''यह इस तरह की पहली बैठक नहीं है और हम पहले भी कई बार मिल चुके हैं। वे (विधायक) मेरे यहां भी आ चुके हैं। समान विचारधारा वाले लोगों से मुलाकात हुई।'' हालांकि, मुख्यमंत्री के करीबी माने जाने वाले पूर्व मंत्री और विधायक राजन्ना ने कहा कि रात्रिभोज के दौरान राजनीतिक मामलों पर चर्चा हुई। राजन्ना ने संवाददाताओं से कहा, ''हां, सतीश जारकीहोली ने कल एक रात्रिभोज बैठक की मेजबानी की। यह केवल एससी/एसटी विधायकों तक सीमित नहीं थी। उन्होंने सभी समान विचारधारा वाले विधायकों को आमंत्रित किया। मैंने भी इसमें भाग लिया। कई राजनीतिक मामलों पर चर्चा हुई। जारकीहोली खुद विवरण बता सकते हैं।''

यह पूछे जाने पर कि क्या रात्रिभोज में राजनीति पर चर्चा हुई, उन्होंने कहा, ''नहीं तो हम क्यों मिलेंगे? क्या हम सिर्फ भोजन के लिए मिलेंगे? जब लोग मिलते हैं, तो चर्चाएं होती ही हैं। इससे कई उद्देश्य पूरे होते हैं।''

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा की सिद्दरामय्या को ''निवर्तमान मुख्यमंत्री'' बताने वाली टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, राजन्ना ने कहा, ''तो आइए हम विजयेंद्र को निवर्तमान भाजपा अध्यक्ष कहें। सिद्दरामय्या निवर्तमान नहीं हैं। वह बने रहेंगे।''

यतींद्र सिद्दरामय्या ने कहा कि विधायी सत्रों के दौरान ऐसी रात्रिभोज बैठकें आम हैं और जब भी आमंत्रित किया जाता है वह इसमें शामिल होते हैं। उन्होंने कहा, हर कोई दोपहर भोज और रात्रिभोज की मेजबानी कर रहा है। हाल ही में, मंत्री दिनेश गुंडू राव ने मुझे आमंत्रित किया, और मैं इसमें शामिल हुआ। हम कांग्रेस विधायक दल की बैठक के दौरान और रात्रिभोज पर मिले। अगर कोई मंत्री मुझे आमंत्रित करता है, तो मैं जाऊंगा।

विजयेंद्र की ''निवर्तमान मुख्यमंत्री'' टिप्पणी पर यतींद्र ने कहा कि ''विपक्ष शुरू से ही ऐसी टिप्पणियां करता रहा है। उन्होंने कहा, विपक्ष की आलोचना का कोई मतलब नहीं है। क्या हम हर बार प्रतिक्रिया दें? रहने दीजिए।'' कांग्रेस सरकार द्वारा 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा किए जाने के बाद नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ दल के भीतर सत्ता संघर्ष तेज हो गया है।

वर्ष 2023 में सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता-साझाकरण समझौते की खबरों ने अटकलों को हवा दी। हालांकि, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों ने हाल ही में पार्टी आलाकमान के निर्देश पर एक-दूसरे के आवास पर नाश्ता बैठकें कीं। इसे नेतृत्व की लड़ाई को रोकने और सिद्दरामय्या के फिलहाल मुख्यमंत्री बने रहने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

तुमकुरु में विभिन्न मठों के संत एकत्रित हुए, परमेश्वर को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। कर्नाटक में विभिन्न मठों के संतों के एक समूह ने बृहस्पतिवार को एक बैठक की और गृह मंत्री जी. परमेश्वर को राज्य का मुख्यमंत्री बनाने की मांग की। संतों के समूह की यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब सत्ताधारी दल कांग्रेस के भीतर नेतृत्व के मुद्दे को लेकर खींचतान जारी है।

यहां आयोजित बैठक में लिंगायत, वोक्कालिगा, पिछड़े और दलित समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले संतों ने भाग लिया और आपसी एकजुटता का प्रदर्शन किया। संतों ने एकजुट होकर परमेश्वर को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाने की मांग की। कुंचितिगारा महा संस्थान मठ, येलेरामपुरा के हनुमंतनाथ स्वामीजी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''तुमकुरु जिले के प्रभारी मंत्री और गृह मंत्री जी. परमेश्वर को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। इस कदम से पार्टी को पिछड़े समुदाय के साथ न्याय करने का श्रेय भी मिलेगा।''

हनुमंतनाथ स्वामीजी ने कहा, ''जाति या किसी अन्य संबद्धता से परे, सभी मठों के संत एक स्वर में चाहते हैं कि (यदि नेतृत्व परिवर्तन होता है तो) ऐसी स्थिति में परमेश्वर को मुख्यमंत्री बनाया जाए...इससे जिले (तुमकुरु) के सर्वांगीण विकास में भी मदद मिलेगी, चाहे वह सिंचाई हो, मेट्रो हो, पेयजल हो या अन्य चीजें हों।

'' प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रह चुके परमेश्वर ने खुद पिछले महीने कहा था कि वह भी मुख्यमंत्री बनने की दौड़ में शामिल हैं। कांग्रेस के भीतर नेतृत्व परिवर्तन की स्थिति में एक 'दलित मुख्यमंत्री' की मांग उठती रही है, जिसमें परमेश्वर प्रमुख दावेदारों में से एक हैं। परमेश्वर दलित समुदाय से हैं।

सामाजिक बहिष्कार रोकथाम विधेयक पारित किया

बेलगावी। कर्नाटक विधानसभा ने बृहस्पतिवार को सामाजिक बहिष्कार विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कर दिया। यह विधेयक 12 दिसंबर को समाज कल्याण मंत्री एच सी महादेवप्पा द्वारा सदन में पेश किया गया था। इस विधेयक में सामाजिक बहिष्कार को समुदाय के सदस्यों के बीच किसी भी प्रकार के सामाजिक भेदभाव के मौखिक या लिखित संकेत या कार्य के रूप में परिभाषित किया गया है। विधेयक में तीन साल की कैद और एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। सामाजिक बहिष्कार थोपने के लिए सभा करना भी प्रतिबंधित है।

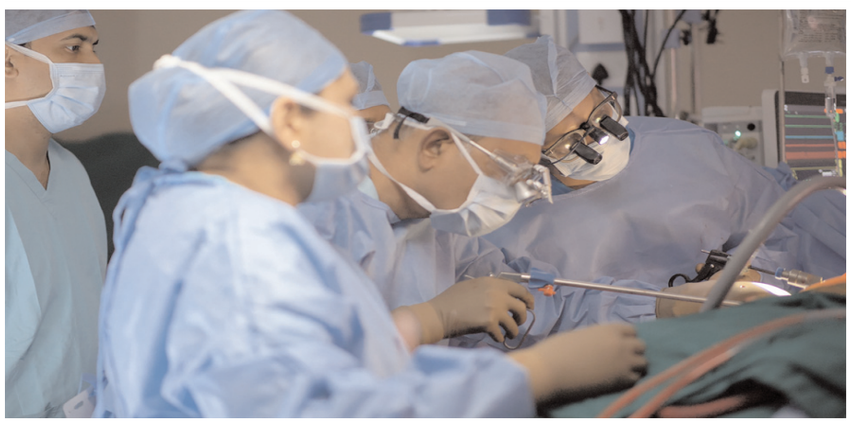

पूर्णतया निःशुल्क हृदय शल्य चिकित्सा प्रदान करने वाला विश्व का पहला केन्द्र बना एसएमएसआईएमएसआर

सत्य साई ग्राम, मुद्देनहल्ली/दक्षिण भारत। उन्नत हृदय उपचार केवल विशेषाधिकार प्राप्त लोगों तक सीमित नहीं है, अपितु सभी के लिए है 'वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन' के इस दृष्टिकोण से प्रेरित श्री मधुसूदन साई आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान (एसएमएसआईएमएसआर) ने पूर्णतया निःशुल्क टोटल एंडोस्कोपिक 'हृदय शल्य-चिकित्सा' करके एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही, मधुसूदन साई आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान विश्व का पहला केंद्र बन गया है जो यह शल्य-चिकित्सा पूर्णतः निःशुल्क प्रदान करता है तथा भारत में इस अत्याधुनिक तकनीक को अपनाने वाला तीसरा केंद्र है।

हृदय वाल्व बैंक के निदेशक एवं मुख्य हृदय शल्य-चिकित्सक डॉ. सी. एस. हिरेमत के नेतृत्व में श्री मधुसूदन साई आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान के दल ने कोलकाता स्थित मणिपाल हॉस्पिटल्स के मुख्य एंडोस्कोपिक हृदय शल्य-चिकित्सक डॉ. संदीप सरदार एवं उनके दल के सहयोग से 13 दिसंबर को एक 29 वर्षीय महिला रोगी की सफल टोटल एंडोस्कोपिक हृदय शल्य-चिकित्सा' कर उस महिला को नवजीवन प्रदान किया। अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से की गई इस न्यूनतम शल्यचिकित्सा प्रक्रिया के परिणामस्वरूप 2 सेंटीमीटर से भी छोटा चीरा लगाने की आवश्यकता पड़ी और रोगिणी 72 घंटों के भीतर स्वस्थ होकर चिकित्सालय से छुट्टी प्राप्त कर सकी। यह चिकित्सीय उपलब्धि अत्याधुनिक तकनीक को अपनाने में एसएमएसआईएमएसआर के चिकित्सा दल की दक्षता को रेखांकित करती है, जिससे रोगियों हेतु चीरे के न्यूनतम दाग के साथ शीघ्र स्वस्थ करने वाली सुरक्षित हृदय शल्य-चिकित्सा उपलब्ध हो सकी है।

स्वास्थ्य-सेवा में तकनीकी उत्कृष्टता एवं नवाचार के माध्यम से समाज की सेवा करने हेतु इस प्रकार के अनेक युगांतकारी उपक्रम अपनाने की तत्परता श्री मधुसूदन साई आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान तथा 'वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन' की सुदृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

धर्मस्थल मामले में झूठी गवाही देने के आरोप में गिरफ्तार व्यक्ति जेल से रिहा

शिवमोग्गा। धर्मस्थल मामले में झूठी गवाही देने के आरोप में गिरफ्तार किए गए सी एन चिन्नैया को बृहस्पतिवार को अदालत द्वारा निर्धारित शर्तें पूरी करने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि चिन्नैया शिवमोग्गा जिला कारागार में बंद था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, अदालत के आदेशानुसार चिन्नैया के परिवार द्वारा एक लाख रुपये का बांड जमा करने के बाद उसे जमानत मिल गई। मंगलवार को आवश्यक दस्तावेज जमा किए गए, जिसके बाद जेल अधिकारियों ने उसकी रिहाई की प्रक्रिया शुरू की। चिन्नैया बृहस्पतिवार सुबह जेल से बाहर आ गया।

सूत्रों ने बताया कि उसकी पत्नी मल्लिका, बहन रत्ना और कानूनी सलाहकार औपचारिकताओं को पूरा करने और उसे घर ले जाने के लिए जेल में मौजूद थे। बेल्थंगडी की अदालत ने 24 नवंबर को चिन्नैया को जमानत दे दी। कानूनी जानकारों का कहना है कि जमानत मिलने से जांच कमजोर नहीं होती। एक वरिष्ठ वकील ने कहा, जमानत एक प्रक्रियात्मक सुरक्षा कवच है और इससे उसका निर्दोष होना या अपराध साबित नहीं होता।

बीपीएल कार्ड की आय सीमा में संशोधन : केएच मुनियप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले तथा कानूनी मापशास्त्र मंत्री केएच मुनियप्पा ने कहा कि राज्य सरकार बीपीएल कार्ड की आय सीमा में संशोधन करने पर विचार कर रही है। बेलगावी के सुवर्णा विधान सौधा में विधानसभा के चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान गुरुवार को प्रश्नोत्तर सत्र में बोलते हुए, उन्होंने बंटवाल विधायक राजेश नायक और श्रवणबेलगोला विधायक बालकृष्ण सीएन द्वारा पूछे गए बिंदु पहचान संबंधी प्रश्न का उत्तर दिया।

केंद्र सरकार ने बीपीएल कार्डधारकों की आय सीमा 1.20 लाख रुपये तय की है। लेकिन दिहाड़ी मजदूरों को 500 रुपये भी मिलते हैं। इसके आधार पर दिहाड़ी मजदूरों की आय भी बढ़कर 1.80 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक हो रही है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में इस सीमा को संशोधित करने पर विचार किया जा रहा है।

केंद्र सरकार ने राज्य में 7,75,206 संदिग्ध राशन लाभार्थियों की पहचान की है। राज्य में 4.53 लाख बीपीएल और 1.25 लाख एपीएल कार्डधारक परिवार हैं। राज्य की जनसंख्या की तुलना में, 73 प्रतिशत परिवारों को बीपीएल कार्ड प्राप्त हुए हैं। राज्य जीएसटी और आयकर भुगतान में देश में अग्रणी है। इस कारक को ध्यान में रखते हुए, बीपीएल परिवारों का अनुपात 50 प्रतिशत होना चाहिए था। लेकिन इससे कहीं अधिक परिवारों को बीपीएल कार्ड प्राप्त हुए हैं।राज्य सरकार ने 2017 में प्राथमिकता राशन कार्ड प्राप्त करने और अयोग्य घोषित करने के लिए नियम बनाए थे। इसके अनुसार, सरकारी, सहायता प्राप्त संस्थानों, बोर्डों, निगमों, स्वायत्त संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों और आयकर, सेवा कर और जीएसटी कर का भुगतान करने वाले परिवारों को बीपीएल कार्ड जारी नहीं किए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि चूंकि आय सीमा में संशोधन किया जा रहा है, इसलिए अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी बीपीएल कार्ड को अस्थायी रूप से रद्द न करें। वर्तमान में, बीपीएल कार्ड केवल चिकित्सा कारणों से ही जारी किए जाते हैं। यदि परिवार के किसी सदस्य के नौकरी पर लग जाने के कारण बीपीएल कार्ड रद्द कर दिया जाता है, तो प्रभावित परिवार को 15 दिनों के भीतर नया बीपीएल कार्ड जारी कर दिया जाएगा, बशर्ते वे संबंधित तहसीलदार को एक आवेदन प्रस्तुत करें जिसमें यह बताया गया हो कि नौकरी चाहने वाला व्यक्ति उनके साथ नहीं रहता है। बंटवाल निर्वाचन क्षेत्र में, 2023-24 तक 48,715 परिवारों को बीपीएल कार्ड जारी किए जा चुके हैं। 2023 से जनवरी 2025 तक कुल 688 बीपीएल कार्ड वितरित किए गए हैं। 99 परिवारों के बीपीएल कार्ड रद्द कर दिए गए हैं। मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने बताया कि श्रवणबेलगोला विधानसभा क्षेत्र में 930 बीपीएल कार्डों को एपीएल कार्डों में परिवर्तित कर दिया गया है।

श्रवणबेलगोला विधानसभा क्षेत्र में नए बीपीएल कार्ड के लिए कुल 964 आवेदन लंबित हैं। विधायक बालकृष्ण सी.एन. ने मंत्री से तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

उदघाटन

बेंगलूरु में गुरुवार को एसएपी लैब्स इंडिया ने एसएपी लैब्स इंडिया इनोवेशन पार्क में एक नई खेल एवं मनोरंजन सुविधा के उद्घाटन की घोषणा की। इस सुविधा का उद्घाटन पूर्व भारतीय क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद और एसएपी लैब्स इंडिया की प्रबंध निदेशक सिंधु गंगाधरन ने किया। लगभग 2,189 वर्ग मीटर (लगभग 23,563 वर्ग फुट) के कुल निर्मित क्षेत्र में फैला यह नया खेल परिसर, स्वस्थ, अधिक सक्रिय और अधिक संयोजित कार्यस्थलों के निर्माण पर सेप के निरंतर ध्यान को और मजबूत करता है।

सड़क पर दिल का दौरा पड़ने से व्यक्ति की मौत

बेंगलूरु। बेंगलूरु में अस्पताल ले जाते समय 34 वर्षीय एक मैकेनिक की स्कूटर से गिरकर मौत हो गई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि जिस चिकित्सा केंद्र ने उन्हें दिल का दौरा पड़ने की पुष्टि की थी, उसने आवश्यक प्राथमिक उपचार प्रदान नहीं किया जिसके कारण यह हादसा हुआ।

इस घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में 13 दिसंबर को वेंकटरमनन नामक व्यक्ति को दोपहिया वाहन से गिरने के बाद सड़क पर पड़ा हुआ देखा जा सकता है। इस दौरान उसकी घायल पत्नी रूपा राहगीरों से मदद की गुहार लगाती नजर आ रही है।

परिवार के अनुसार, वेंकटरमनन ने सीने में दर्द की शिकायत की थी, जिसके बाद उसकी पत्नी उन्हें स्कूटर पर बैठाकर तड़के करीब साढ़े तीन बजे बालाजी नगर स्थित एक निजी अस्पताल ले गईं। वहां डॉक्टर के मौजूद न होने के कारण उन्हें इलाज से इनकार कर दिया गया। इसके बाद वह उन्हें एक अन्य अस्पताल ले गईं, जहां इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) जांच में वेंकटरमनन को दिल का दौरा पड़ने की पुष्टि हुई। हालांकि, वहां भी उन्हें तुरंत जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवस्कुलर साइंसेज रेफर कर दिया गया। परिवार का आरोप है कि इस अस्पताल में भी उन्हें कोई बुनियादी इलाज नहीं दिया गया।

जयदेव अस्पताल जाते समय कथित तौर पर वेंकटरमनन को दोबारा सीने में दर्द हुआ, जिससे दंपति स्कूटर से गिर गए। सीसीटीवी वीडियो में एक टैक्सी चालक को उनकी मदद के लिए रुकते हुए देखा गया। उसने दोनों को जयदेव अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, वहां डॉक्टरों ने वेंकटरमनन को मृत घोषित कर दिया। बाद में, उनके परिवार ने उनकी आंखें दान कर दीं।

कारवार तट के निकट सीगल पक्षी पर चीनी जीपीएस ट्रैकर मिला, जांच का आदेश

कारवार। कारवार तटीय क्षेत्र में बुधवार को एक समुद्री पक्षी पर चीन निर्मित जीपीएस ट्रैकिंग उपकरण लगा पाए जाने के बाद सुरक्षा एजेंसियों और वन अधिकारियों ने जांच शुरू की है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि प्रारंभिक जांच में इस उपकरण का जासूसी के बजाय वैज्ञानिक अनुसंधान में उपयोग का संकेत मिला है। कारवार कस्बे की पुलिस ने कहा कि यह घटना उस समय प्रकाश में आई जब स्थानीय लोगों ने समुद्री तट के पास थिमक्का गार्डन के पीछे बैठे सीगल पक्षी पर एक उपकरण देखा और वन विभाग की समुद्री शाखा को इसकी सूचना दी। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचे वन अधिकारियों ने पक्षी को पकड़ा और उपकरण की जांच की। जीपीएस ट्रैकर पर 'चाइनीज एकैडमी ऑफ साइंस' के पर्यावरण अनुसंधान केंद्र से जुड़ा निशान छपा था जिससे संकेत मिलता है कि यह उपकरण अकादमिक उद्देश्य के लिए था। पुलिस के मुताबिक, ऐसा प्रतीत होता है कि पक्षी के आवागमन, खाने पीने की आदत और मार्गों का अध्ययन करने के लिए यह जीपीएस ट्रैकर लगाया गया था। इस चरण में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला जिससे पता लगे कि कोई जासूसी गतिविधि के लिए यह ट्रैकर लगाया गया था। हालांकि, उसने कहा कि इसके बावजूद तटीय क्षेत्र के रणनीतिक महत्व को देखते हुए सावधानी बरती जा रही है और जांच के आदेश दिए गए हैं। पक्षी पर ध्यान देने के लिए उसे समुद्री वन प्रभाग में स्थानांतरित किया गया है। पुलिस ने कहा कि जीपीएस उपकरण का उपयोग कर वन्यजीव पर नजर रखना वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य एक वैज्ञानिक व्यवस्था है, लेकिन वह स्थान जहां यह पक्षी पाया गया, विभिन्न एजेंसियों के लिए सभी पहलुओं का सत्यापन करना अनिवार्य बना देता है।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्याल के कुलगुरु बने डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे

जयपुर। डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे को बीकानेर स्थित स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु (पूर्व में कुलपति) पद पर नियुक्त किया गया है। लोकभवन ने एक बयान में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने आदेश जारी कर डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे को कुलगुरु पद पर नियुक्त किया है। बागड़े ने राज्य सरकार के परामर्श से यह आदेश जारी किया। बयान में बताया गया कि कुलगुरु पद पर यह नियुक्ति डॉ. दुबे के कार्यभार संभालने की तिथि से तीन वर्ष या उनके 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, के लिए की गयी है।

फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री सेल्सियस रहा

जयपुर। राजस्थान में सर्दी का मौसम जारी है जहां सीकर जिले के फतेहपुर में बृहस्पतिवार तड़के न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार नागौर में बीती रात न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री, बीकानेर के लूणकरणसर में 4.9 डिग्री, सिरोही में 5.4 डिग्री और दौसा में 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य की राजधानी जयपुर में यह 11.1 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों के जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर व आसपास के क्षेत्रों में सुबह घना कोहरा रहा तथा वर्तमान में अधिकांश भागों में तापमान सामान्य के आसपास दर्ज किए जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में अभी मौसम शुष्क रहने की संभावना है। वहीं एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों में 18-22 दिसंबर तक बादल छाए रह सकते हैं व न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है।

खड़े वाहनों पर तेज रफ्तार कंटेनर ने मारी टक्कर, दो लोगों की मौत

कोटा। राजस्थान में तेज रफ्तार एक कंटेनर ने दो वैन को कथित तौर पर पीछे से टक्कर मार दी, जिससे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के लिए काम करने वाली एक कंपनी के दो कर्मचारियों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कोटा के उद्योग नगर थाना अंतर्गत रायपुरा के पास कोटा-बारन राजमार्ग पर बुधवार अपराह्न लगभग दो बजे यह घटना हुई। पुलिस के अनुसार, दयाराम (चालक), राजकुमार (सहायक), सुनील और मोनू चारों कर्मचारी कोटा से बारां की ओर दो अलग-अलग वैन में यात्रा कर रहे थे। इसने बताया कि रायपुरा के पास राजमार्ग पर उन्होंने अपने वाहन रोक दिए थे। पुलिस ने बताया कि चारों को तुरंत कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां राजकुमार (22) को मृत घोषित कर दिया गया जबकि दयाराम (23) की इलाज के दौरान मौत हो गई।

अलवर में बच्ची की हत्या, झाड़ियों में मिली लाश

अलवर। प्रतापगढ़ थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह 9 साल की 4ींह क्लास की बच्ची का शव झाड़ियों में मिला। पुलिस ने बच्ची के पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना उस समय की है जब बच्ची सुबह बकरियां चराने जंगल गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। एएसपी शरण गोपीनाथ कांबले ने बताया कि शव मिलने पर बच्ची के गले और शरीर पर खरोंच के निशान देखे गए, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। घटना के समय बच्ची की मां पीहर गई हुई थी। बच्ची के ताऊ और ममेरे भाई ने अलग-अलग शिकायत दी है। ममेरे भाई ने पिता पर हत्या का आरोप लगाया, जबकि ताऊ ने हत्या की आशंका जताई। बच्ची चार बहन-भाइयों में तीसरे नंबर की थी। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से सभी सबूत जुटाए हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और सबूतों के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा। इस घटना से क्षेत्र में चिंता और शोक का माहौल है।

पांच बच्चों के साथ कुएं में कूदी मां, दो जुड़वां मासूमों की मौत

ब्यावर। रायपुर मारवाड़ उपखंड के झूठा गांव में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। यहां एक महिला ने अपने पांच मासूम बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दी। हादसे में एक साल के जुड़वां बच्चों की मौत हो गई, जबकि महिला और उसके तीन अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। रायपुर थाने के एएसआई कैलाश नायक ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे सुमित्रा (30) अपने बच्चों दीपू (5), दिव्या (3), काली (2) और जुड़वां नारू व प्रेम (1) को लेकर कुएं में कूद गई। घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने शोर सुना और तुरंत मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से महिला और बच्चों को कुएं से बाहर निकाला गया और सभी को रायपुर उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद नारू और प्रेम को मृत घोषित कर दिया। दोनों बच्चों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। महिला और तीन बच्चों का अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, घटना के समय महिला का पति भाकर राम मजदूरी के सिलसिले में ब्यावर गया हुआ था, जिसे सूचना मिलने पर वह दोपहर करीब 12:15 बजे रायपुर पहुंचा। दंपती की शादी करीब 9 वर्ष पहले हुई थी। फिलहाल महिला द्वारा यह कदम उठाने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और घायलों के बयान के बाद ही घटना के कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

बीकानेर के अस्पताल में महिला को गलत रक्त चढ़ाया गया, जांच के आदेश

जयपुर। बीकानेर शहर के पीबीएम अस्पताल में इलाज करवा रही एक महिला को कथित तौर पर गलत समूह का रक्त चढ़ाने का मामला सामने आया है, जिसके बाद अस्पताल प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि अस्पताल की आचार्य तुलसी कैंसर विंग में 75 साल की महिला मरीज को कथित तौर पर गलत ग्रुप का रक्त चढ़ा दिया गया। सूत्रों के अनुसार मरीज भवानी देवी को गंभीर एनीमिया के कारण भर्ती कराया गया था और बुधवार शाम को उनका 'ब्लड ट्रांसफ्यूजन' किया जा रहा था।

उन्होंने कहा कि इसी दौरान कथित तौर पर अलग 'ब्लड ग्रुप' की यूनिट चढ़ा दी गई, जिससे उनकी हालत अचानक बिगड़ गई। परिवार वालों ने बताया कि भवानी देवी का ब्लड ग्रुप 'ए पॉजिटिव' है, उन्हें पहली यूनिट बिना किसी दिक्कत के चढ़ा दी गई, लेकिन ब्लड बैंक से मिली दूसरी यूनिट 'बी पॉजिटिव' ग्रुप की थी। आरोप है कि मौजूद चिकित्सा कर्मी ने बिना ठीक से जांच किए यह रक्त चढ़ा दिया। यह गलती तब सामने आई जब एक रिश्तेदार ने 'ट्रांसफ्यूजन' के दौरान यूनिट पर लिखा ब्लड ग्रुप देखा और तुरंत नर्सिंग स्टाफ व चिकित्सकों को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्रांसफ्यूजन रोक दिया गया और इमरजेंसी इलाज शुरू किया गया, जिसके बाद मरीज की हालत स्थिर हो गई। इस घटना की जानकारी मिलने पर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेंद्र वर्मा, विभाग के प्रमुख के साथ स्थिति का जायजा लेने कैंसर विंग पहुंचे। डॉ. वर्मा ने कहा, मरीज अभी बिल्कुल स्थिर है।

स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सशक्त हो रही हैं महिलाएं : मुख्यमंत्री भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं सशक्त हो रही हैं। शर्मा ने यहां जवाहर कला केन्द्र में 'सरस राजसखी राष्ट्रीय मेले' का उद्घाटन किया। उन्होंने इस दौरान देश-प्रदेश की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाये गये स्टॉल देखे, उनके उत्पादों की जानकारी ली और उनके हुनर की प्रशंसा की। शर्मा ने इस अवसर पर लखपति दीदी एवं स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं सशक्त हो रही हैं, जिससे ग्रामीण व्यवस्था का विस्तार हो रहा है और वे अपना घर संभालने के साथ ही देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरस मेला इस बात का प्रमाण है कि जब सही नीति, सशक्त संस्थागत ढांचा और प्रभावी क्रियान्वयन एक साथ आते हैं तो ग्रामीण महिलाओं के जीवन में स्थायी व समावेशी परिवर्तन संभव होता है। उन्होंने कहा कि यह मेला आत्मनिर्भर राजस्थान-आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प का प्रतीक भी है। चार जनवरी तक चलने वाले इस 'सरस राजसखी राष्ट्रीय मेले' में ग्रामीण भारत की समृद्ध परंपराओं, शिल्प कौशल एवं कलाओं की प्रस्तुति दी जा रही है। इस मेले में राजस्थान सहित 24 राज्यों के लगभग 300 स्टॉल लगाये गये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरस मेला इस बात का प्रमाण है कि जब सही नीति, सशक्त संस्थागत ढांचा और प्रभावी क्रियान्वयन एक साथ आते हैं तो ग्रामीण महिलाओं के जीवन में स्थायी और समावेशी परिवर्तन संभव होता है। यह मेला आत्मनिर्भर राजस्थान-आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प का प्रतीक भी है। उल्लेखनीय है कि 4 जनवरी तक चलने वाले इस सरस राजसखी राष्ट्रीय मेले में ग्रामीण भारत की समृद्ध परंपराओं, शिल्प कौशल एवं कलाओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस मेले में राजस्थान सहित 24 राज्यों की लगभग 300 स्टॉल्स लगाई गई हैं। इनमें देश के विभिन्न हिस्सों की ग्रामीण परंपरा, लोक कला, लोक शिल्प, वस्त्र परंपराएं, हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय किया जा रहा है।

अरावली की नयी परिभाषा उत्तर भारत के भविष्य के लिए खतरा : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने अरावली की नयी परिभाषा को उत्तर भारत के पारिस्थितिक भविष्य के लिए खतरा बताते हुए बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार से इस पर पुनर्विचार करने की मांग की। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने अरावली संरक्षण के पक्ष में 'सेवअरावली' अभियान का समर्थन करते हुए सोशल मीडिया पर अपनी 'प्रोफाइल पिक्चर' (डीपी) भी बदली है। उन्होंने कहा कि यह महज एक तस्वीर बदलना नहीं बल्कि उस नयी परिभाषा के खिलाफ एक सांकेतिक विरोध है, जिसके तहत 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को 'अरावली' मानने से इनकार किया जा रहा है। गहलोत ने एक बयान में कहा कि अरावली के संरक्षण को लेकर आए इन बदलावों ने पूरे उत्तर भारत के भविष्य पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। उन्होंने जनता से भी अपील की है कि वे अपनी 'डीपी' बदलकर इस मुहिम का हिस्सा बनें।

पूर्व मुख्यमंत्री ने अरावली की नयी परिभाषा को अस्तित्व के लिए खतरनाक बताते हुए तीन प्रमुख चिंताएं जाहिर की हैं। गहलोत ने कहा कि अरावली कोई मामूली पहाड़ नहीं बल्कि प्रकृति की बनाई हुई हरित दीवार है। यह थार के रेगिस्तान की रेत और गर्म हवाओं (लू) को दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के उपजाऊ मैदानों की ओर बढ़ने से रोकती है।

उन्होंने कहा कि यदि छोटी पहाड़ियों को खनन के लिए खोल दिया गया, तो रेगिस्तान हमारे दरवाज़े तक आ जाएगा और तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि ये पहाड़ियां और यहां के जंगल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और आसपास के शहरों के लिए ''फेफड़ों'' का काम करते हैं। ये धूल भरी आंधियों को रोकते हैं और प्रदूषण कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

गहलोत ने चिंता जताई कि जब अरावली के रहते हुए स्थिति इतनी गंभीर है तो अरावली के बिना स्थिति कितनी वीभत्स होगी, इसकी कल्पना भी डरावनी है। अरावली को जल संरक्षण का मुख्य आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि इसकी चट्टानें बारिश के पानी को जमीन के भीतर भेजकर भूजल भंडार करती हैं। अगर पहाड़ खत्म हुए तो भविष्य में पीने के पानी की गंभीर किल्लत होगी, वन्यजीव लुप्त हो जाएंगे और पूरी पारिस्थितिकी खतरे में पड़ जाएगी। गहलोत ने केंद्र सरकार और उच्चतम न्यायालय से अपील की है कि भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए इस परिभाषा पर पुनर्विचार किया जाए।

प्रदेशभर में कल से आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में प्रदेश में चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर पीठ एवं जयपुर पीठ में दिनांक 19 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया जाएगा। वहीं दिनांक 21 दिसंबर 2025 को प्रदेश के समस्त अधीनस्थ न्यायालयों, राज्य न्यायालयों, उपभोक्ता आयोगों एवं अन्य प्रशासनिक अधिकरणों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी।

हरि ओम अत्रि सदस्य सचिव, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने जानकारी दी कि राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ में दिनांक 19 दिसंबर 2025 को अपराह्न 3:30 बजे न्यायाधिपति संजीव प्रकाश शर्मा, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय एवं कार्यकारी अध्यक्ष, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन किया जाएगा। इसी प्रकार, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर पीठ में दिनांक 19 दिसंबर 2025 को अपराह्न 3:30 बजे न्यायाधिपति डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी, न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, राजस्थान उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से आमजन अपने प्री-लिटिगेशन एवं लंबित मामलों का आपसी सहमति एवं राजीनामे के जरिए त्वरित एवं सरल निस्तारण करवा सकेंगे। इसके लिए प्रदेशभर में अधीनस्थ न्यायालयों में कुल 472 बेंचों का गठन किया गया है, जिनमें ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से मामलों की सुनवाई की जाएगी। दिनांक 15 दिसंबर 2025 तक राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु 8,60,152 प्री-लिटिगेशन प्रकरण एवं 2,49,398 लंबित न्यायालयीन प्रकरण, कुल 11,09,550 प्रकरण सुनवाई के लिए चिन्हित किए जा चुके हैं। राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ में 03 बेंचों के माध्यम से लगभग 890 लंबित प्रकरण राष्ट्रीय लोक अदालत में रखे गए हैं। वहीं, जोधपुर पीठ में भी कार्यरत न्यायाधीशों की 03 बेंचों का गठन कर लगभग 3324 लंबित प्रकरण राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु संदर्भित किए गए हैं।

रॉक फॉस्फेट में राजस्थान का लगभग एकाधिकार, उत्पादकता और आपूर्ति बढाएं आरएसएमएम : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान स्टेट माइंस एवं मिनरल्स (आरएसएमएम) की माइंस में खनिज उत्पादन बढ़ाने और आकर्षक विपणन के निर्देश दिए हैं। आरएसएमएम द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में नवंबर माह तक 43 लाख 15 हजार टन रॉक फॉस्फेट, लिग्नाइट, जिप्सम और लाइमस्टोन उपलब्ध कराया जा चुका है। मुख्य सचिव ने कहा कि खेती में उपयोगी रॉक फॉस्फेट के भण्डार समूचे देश में राजस्थान में ही उपलब्ध है। ऐसे में आयात निर्भरता कम करने और डीएपी और एसएसपी उत्पादक संस्थाओं की रॉक फॉस्फेट जरुरतों की पूर्ति के योजनाबद्ध प्रयास किये जाएं। उन्होंने कहा कि रॉक फॉस्फेट और जिप्सम का उत्पादन बढ़ाकर खेती के संवर्धन और विकास में आरएसएमएम महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

मुख्य सचिव गुरुवार को सचिवालय में आरएसएमएम की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आरएसएसएम द्वारा प्रदेश में रॉक फॉस्फेट, लिग्नाइट, जिप्सम और लाइमस्टोन का खनन किया जा रहा है। देश की जरुरत के 30 प्रतिशत रॉकफॉस्फेट के भण्डार राजस्थान में है। बीकानेर, बाड़मेर और नागौर में जिप्सम के भण्डार है। बीकानेर में आरएसएमएम द्वारा जिप्सम का खनन किया जा रहा है। ऐसे में जिप्सम के खनन और उपलब्धता से भी मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने में योगदान दिया जा सकता है। लाइमस्टोन और लिग्नाइट के उत्पादन को भी बढ़ाने की आवश्यकता है।

मुख्य सचिव ने खनिज खनन में नवीनतम तकनीक के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इससे मिनरल्स की छीजत कम होगी और सतत खनन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने खनन कार्य में स्टेंडर्ड सुरक्षा मानकों की पालना करने, उत्पादकता और लाभदायकता को बढ़ाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने ऑडिट करवाकर वार्षिक साधारण सभा आयोजित कराने के निर्देश भी दिए।

प्रमुख सचिव, माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि आरएसएमएम की उदयपुर के झामरकोटड़ा में रॉक फॉस्फेट, बाड़मेर और नागौर में लिग्नाइट, जैसलमेर के सानू में एसएमएस ग्रेड लाइमस्टोन व सफेद सीमेंट और नागौर में केमिकल ग्रेड लाइमस्टोन की माइंस है। बीकानेर के ढ़ाणी अब्दुल्लाह, बलार और लारेवाला में जिप्सम का खनन किया जा रहा है।

राजस्थान का सौर और अक्षय ऊर्जा में देश में पहला स्थान : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने ऊर्जा उत्पादन, प्रसारण और वितरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने राजस्थान को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा है। यह जानकारी ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने गुरुवार को जयपुर में प्रेस कांफ्रेंस में दी। इस अवसर पर उनके साथ प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा और डिस्कॉम चेयरमैन आरती डोगरा, राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के उचऊरोहित गुप्ता, ऊर्जा विकास निगम के एमडी ओम कसेरा, उत्पादन निगम के उचऊदेवेन्द्र श्रंगी भी मौजूद थे। उन्होंने ऊर्जा विभाग की उपलब्धियों व भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि राजस्थान अब सौर और अक्षय ऊर्जा में देश में पहले स्थान पर है। राज्य की कुल अक्षय ऊर्जा क्षमता 41,189 मेगावाट और सौर ऊर्जा क्षमता 35,337 मेगावाट हो गई है। पिछले दो वर्षों में अक्षय ऊर्जा में 17,820 मेगावाट और सौर ऊर्जा में 17,325 मेगावाट की वृद्धि हुई।

सरकार ने 2027 तक किसानों को दिन में बिजली देने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में 22 जिलों में दिन के दो ब्लॉक में किसानों को बिजली दी जा रही है। पीएम-कुसुम योजना के तहत पिछले दो वर्षों में 1,048 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिससे लगभग 1.54 लाख किसानों को कृषि कार्य के लिए विद्युत आपूर्ति मिल रही है। पिछले दो वर्षों में राज्य में विद्युत उत्पादन क्षमता में 6,839 मेगावाट की वृद्धि हुई। 48 नए जीएसएस और 213 पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए, जिससे कुल क्षमता 8,534 एमवीए बढ़ी। थर्मल इकाइयों से अतिरिक्त उत्पादन और बेहतर समन्वय से प्रतिदिन करोड़ों की बचत हुई।

पीएम-सूर्यघर योजना के तहत 428.18 मेगावाट क्षमता के 1,05,608 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए गए। 150 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना के तहत सोलर रूफटॉप संयंत्र पर 17,000 रुपये की राज्य सब्सिडी दी जा रही है।

सुशासन की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे समस्या समाधान शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिले में शहरी समस्या समाधान शिविर एवं ग्रामीण समस्या समाधान शिविरों का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी द्वारा इन शिविरों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। इसी का परिणाम है कि ये शिविर अब न केवल सुशासन की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं, बल्कि आमजन, विशेषकर ग्रामीणों के लिए राहत का सशक्त माध्यम भी बनते जा रहे हैं। समस्या समाधान शिविर किस प्रकार आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं, इसकी बानगी गुरुवार को जयपुर जिले की सांभर लेक पंचायत समिति की ग्राम पंचायत बरड़ोती में देखने को मिली। यहां आयोजित ग्रामीण समस्या समाधान शिविर में 47 वर्ष से लंबित भूमि स्वामित्व विवाद का सफलतापूर्वक समाधान किया गया, जिससे पीड़ित परिवारों को बड़ी राहत मिली। उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल ने बताया कि यह प्रकरण वर्ष 1978 से लंबित था। संबंधित खातेदार के निधन के पश्चात भूमि के नामांतरण एवं बंटवारे को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी, जिसके चलते यह विवाद चार पीढ़ियों तक चला। शिविर में सभी 46 वारिसों को आमंत्रित कर उनके दस्तावेजों की गहन जांच की गई। प्रशासनिक अधिकारियों एवं राजस्व कर्मियों की उपस्थिति में सभी पक्षकारों की आपसी सहमति से भूमि का विधिवत बंटवारा किया गया। साथ ही, लंबे समय से लंबित फोती नामांतरण प्रकरणों का निस्तारण कर प्रत्येक वारिस को उसका वैधानिक अधिकार प्रदान किया गया।

वाराणसी में धार्मिक स्थलों पर कुर्की का आदेश लागू नहीं होगा

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में कई मठों और मंदिरों को बकाया कर के भुगतान में देरी के लिए कुर्की नोटिस जारी किए जाने पर संत समाज द्वारा नाराजगी जताये जाने के बाद बृहस्पतिवार को नगर आयुक्त ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर कुर्की का आदेश लागू नहीं होगा। वाराणसी के नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया कि नगर निगम अधिनियम की धारा 175 और 177 के तहत किसी भी मठ, मंदिर या धार्मिक संस्थान पर 'हाउस टैक्स' लागू नहीं होता है। उन्होंने बताया कि बिलिंग प्रणाली में हाल ही में किए गए तकनीकी बदलाव के कारण कुछ स्थानों पर त्रुटिवश नोटिस जारी हो गए थे, जिन्हें तत्काल ठीक कराया जा रहा है।

नगर आयुक्त ने बताया कि इस संबंध में सभी राजस्व निरीक्षकों और जोनल अधिकारियों को सतर्क कर दिया गया है ताकि बिना जांच के कोई भी बिल वितरित न किया जाए। उन्होंने बताया कि अगर कहीं कोई गलती सामने आती है तो उसे उसी दिन ठीक किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि धार्मिक स्थलों के खिलाफ किसी भी तरह का कुर्की आदेश कतई लागू नहीं होगा। उन्होंने साथ ही जानकारी दी कि वर्ष 2010 के सरकारी आदेश के तहत धार्मिक एवं चैरिटेबल संस्थानों को पानी के लिए कर और सीवर टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट पहले की तरह लागू रहेगी।

बिहार के लिए ओएनओएस अत्यंत महत्वाकांक्षी और दूरगामी पहल : शिक्षा मंत्री सुनील कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि 'वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन' (ओएनओएस) प्रदेश के लिए एक अत्यंत महत्वाकांक्षी और दूरगामी पहल है। इस पहल के माध्यम से राज्य के दूर-दराज व ग्रामीण क्षेत्रों में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के उच्च-गुणवत्ता वाले शोध जर्नल और शैक्षणिक प्रकाशनों तक समान डिजिटल पहुंच प्राप्त होगी।

मंत्री, चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के सभागार में शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह पहल डिजिटल अंतर को पाटने और शिक्षा के क्षेत्र में

अवसरों की असमानता को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी तथा बिहार के युवाओं को वैश्विक अकादमिक मंच से जोड़ेगी। उन्होंने कहा कि इससे विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा के साथ-साथ शोध कार्य को भी नया प्रोत्साहन मिलेगा। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है कि बिहार को पूर्वोत्तर भारत का शोध केंद्र बनाया जा सके। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव राजीव रौशन ने बताया कि ओएनओएस वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर और ज्ञान-आधारित भारत के निर्माण में सहायक होगी। बिहार सरकार राज्य के सभी 15 विश्वविद्यालयों में इस पहल को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. एन. के. अग्रवाल ने बताया कि ओएनओएस के माध्यम से राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप अनुसंधान, तकनीकी शिक्षा और अकादमिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहन मिलेगा। सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क के निदेशक एम. एस. देविका पांडुरंग मडल्लि ने बताया कि बिहार देश का पहला राज्य है, जहां सभी विश्वविद्यालयों ने 'इन्फ्लिबनेट' के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

'शांति' विधेयक निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए लाया गया : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने संबंधी विधेयक का विरोध करते हुए राज्यसभा में बृहस्पतिवार को कांग्रेस ने कहा कि यह विधेयक केवल निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए लाया गया है। उच्च सदन में 'भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025' पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस के जयराम रमेश ने कहा कि हम परमाणु क्षमता के मामले में खुद को साबित कर चुके हैं और आज आत्म निर्भर हैं। उन्होंने दावा किया कि यह विधेयक केवल निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए लाया गया है। ''आपने कृषि क्षेत्र में तीन कानून लाए थे जो आपको वापस लेने पड़े था। इस विधेयक का वैसा हश्र नहीं होना चाहिए।''

रमेश ने कहा कि सरकार निजी कंपनियों को कहे कि वह खुद 700 मेगावाट का संयंत्र या 220 मेगावाट का संयंत्र लगाएं। ''क्योंकि अगर निजी सेक्टर को लाया जाएगा तो यह ध्यान में रखना होगा कि वे केवल पूंजी लाएंगे, प्रौद्योगिकी नहीं। हमारे वैज्ञानिकों ने साबित किया है कि वे और उनकी प्रौद्योगिकी सर्वश्रेष्ठ है।'' उन्होंने स्वदेशी तकनीकों को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा ''सरकार निजी कंपनियों से कहे कि हमारे देश में अगर परमाणु संयंत्र आपको लगाना है तो उन्हें आप हमारी प्रौद्योगिकी के आधार पर, हमारी क्षमता के आधार पर लगाएं।''

प्रधानमंत्री ने बुनकरों की समस्याओं को लेकर आंखें मूंद रखी हैं : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश में भदोही के कालीन उद्योग से जुड़े लोगों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुनकरों की समस्याओं को लेकर आंखें मूंद ली हैं। कांग्रेस नेता ने अपने 'जनसंसद' कार्यक्रम में भदोही के बुनकरों के कुछ प्रतिनिधियों से मुलाकात का एक वीडियो फेसबुक पर जारी किया और यह भी कहा कि अमेरिका की ''भारत-विरोधी टैरिफ़ नीति'' का भयंकर असर देश के कई उद्योगों पर पड़ा है और भदोही का कार्पेट व्यापार भी उससे लगभग तबाह हो गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से इन दिनों मुलाकात कर रहे हैं और इसे उन्होंने 'जनसंसद' नाम दिया है। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा, ''मैंने पहले ही कहा था – ट्रंप के टैरिफ़ एक आर्थिक तूफ़ान बनकर आने वाले हैं, जिससे करोड़ों लोगों को नुक़सान होगा, मगर नरेन्द्र मोदी छुप कर बैठे हैं। आज भदोही के बुनकर उसी चेतावनी की ज़मीनी सच्चाई बयान कर रहे हैं।'' राहुल गांधी ने कहा, ''जनसंसद में भदोही के बुनकरों से मुलाक़ात हुई – उन्होंने अपने हाथों से बनाया हुआ एक सुंदर कालीन भेंट किया, जिसमें उनके हुनर, मेहनत और सदियों पुरानी कला की झलक साफ़ दिखाई देती है। उन्होंने बताया कि कभी 'कार्पेट सिटी' कहलाने वाला भदोही आज बदहाली का शिकार है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका की भारत-विरोधी टैरिफ़ नीति का भयंकर असर देश के कई उद्योगों पर पड़ा है, और भदोही का कार्पेट व्यापार भी उससे लगभग तबाह हो गया है।

ईडी ने यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी के घर पर मारा छापा, दस्तावेज और डिजिटल कब्जे में लिए

उन्नाव/भाषा। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक टीम ने यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी से जुड़े दो ठिकानों पर छापेमारी की। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, ईडी ने द्विवेदी के पैतृक गांव में उसके घर और नवाबगंज कस्बे में उसके चाचा के घर पर यह कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि ईडी की टीमें बुधवार को अजगैन थानाक्षेत्र के खजूर गांव में द्विवेदी के चाचा नृपेंद्र नाथ द्विवेदी के घर पहुंची और घर पर ताला लगा होने के कारण केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने बाहर ही डेरा डाल दिया।

पुलिस के मुताबिक, ईडी की टीमों ने देर शाम तक तलाशी ली और घर के अलग-अलग हिस्सों की जांच की। इससे पहले अक्टूबर माह में ईडी ने यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी के लखनऊ स्थित आवास पर भी छापेमारी की थी। हालांकि, इन मामलों में जांच एजेंसियों की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया। सूत्रों का कहना है कि ईडी ने इस दौरान बैंक लेनदेन से जुड़े दस्तावेज, संपत्ति के कागजात और कुछ डिजिटल उपकरण अपने कब्जे में ले लिए। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि 'ड्रीम-11' समेत अन्य माध्यमों से हुई कथित करोड़ों रुपए की कमाई का स्रोत क्या है और क्या इस धन का इस्तेमाल किसी अवैध नेटवर्क से जुड़ा हुआ है।

तृणमूल के सत्ता में आने के बाद अल्पसंख्यक मामलों के विभाग के बजट में दस गुना वृद्धि हुई : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यक मामलों के विभाग के योजना बजट में दस गुना वृद्धि हुई है।

बनर्जी ने अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर पोस्ट करके लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि विभाग का योजना बजट 2010-11 के 472 करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 5,602 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। उन्होंने पोस्ट किया, ''मुझे गर्व है कि हमारी सरकार ने अल्पसंख्यक विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य किया है और करना जारी रखे हुए है। योजना का बजट दस गुना से अधिक बढ़ गया है।'' उन्होंने अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा और राज्य में समान विकास सुनिश्चित करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि अल्पसंख्यक छात्रवृत्तियों के वितरण के मामले में पश्चिम बंगाल देश में पहले स्थान पर है और 2011 से अब तक राज्य द्वारा वित्त-पोषित 'ऐक्यश्री' योजना से 10,200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से 4.85 करोड़ छात्रों को लाभ मिला है। अल्पसंख्यक छात्रों को भारत और विदेश में उच्च शिक्षा के लिए 30 लाख रुपए तक के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि अल्पसंख्यक और ओबीसी छात्र को 'मेधाश्री' योजना के अंतर्गत कवर किया गया है।

सार्वजनिक-निजी भागीदारी से बिहार के विकास को मिलेगी नई गति : चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य में विकास कार्यों को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए सार्वजनिकनिजी भागीदारी मॉडल को अधिक से अधिक अपनाने की आवश्यकता है। उपमुख्यमंत्री, गया स्थित बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) में आयोजित 'मंथन 2025' के समापन कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीपीपी मॉडल के तहत सरकार को अपेक्षाकृत कम निवेश करना पड़ता है जबकि आधारभूत संरचना का विकास तेजी से संभव होता है।

भूमि सुधार में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, खराब प्रदर्शन पर होगी कार्रवाई : विजय सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय सिन्हा ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि भूमि सुधार में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी और बेहतर कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

सिन्हा ने पटना के ज्ञान भवन में भूमि सुधार जनकल्याण कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए जवाबदेही और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली पर विशेष जोर दिया। कार्यशाला के दौरान मासिक समीक्षा रिपोर्ट में खराब प्रदर्शन करने वाले अंचलाधिकारियों को मंच

पर खड़ा कर उनसे सीधे सवाल किए गए। उपमुख्यमंत्री ने पूछा कि अब तक किसी भी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई और अंचलों की स्थिति लगातार खराब क्यों बनी हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मेडिकल अवकाश का बहाना अब स्वीकार नहीं किया जाएगा और अगर महीने के अंत तक ठोस सुधार नजर नहीं आया, तो कार्रवाई तय है। सिन्हा ने कहा कि विभाग में दंड के साथ-साथ प्रोत्साहन की नीति भी समानांतर रूप से लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा, जिसके लिए 31 दिसंबर तक की समय-सीमा तय की गई है।

मंत्री ने बताया कि अब विभाग में नियमित मासिक मॉनिटरिंग की जाएगी, ताकि सुधार केवल फाइलों में नहीं, बल्कि जमीन पर भी दिखाई दे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 24 नवंबर को विभाग की जिम्मेदारी संभालने के बाद सबसे पहले दाखिल-खारिज और परिमार्जन से जुड़े लंबित मामलों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर लंबित मामलों की विस्तृत सूची मंगाई जा रही है, ताकि देरी के वास्तविक कारणों की पहचान की जा सके। मंत्री ने दो टूक कहा कि विभाग के पास कार्रवाई का पूरा अधिकार है और ईमानदारी से काम करने वाले कर्मचारियों को किसी भी तरह के दबाव या धमकी से डरने की जरूरत नहीं है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बचाव में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने की विवादित टिप्पणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुस्लिम महिला चिकित्सक का 'नकाब' हटाने के मामले में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का बचाव करते हुए बृहस्पतिवार को नया विवाद खड़ा कर दिया। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि यह महिला पर निर्भर है कि वह सरकारी नौकरी को ठुकरा दे या 'जहन्नुम में जाए'।

सिंह के बयान की कई विपक्षी नेताओं ने निंदा की। एक विपक्षी नेता ने कहा कि यह भाजपा नेता की 'घटिया मानसिकता' को दर्शाता है।

केंद्रीय मंत्री ने यह टिप्पणी सोमवार को पटना में हुई उस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए की, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नव नियुक्त आयुष चिकित्सक का नियुक्ति पत्र लेते समय चेहरे से 'नकाब' हटा दिया था। कई विपक्षी नेताओं ने नीतीश कुमार के इस कृत्य को 'शर्मनाक' करार दिया था। सिंह ने नीतीश कुमार का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने ''कुछ भी गलत नहीं किया'' है। केंद्रीय मंत्री ने तर्क दिया, ''अगर कोई नियुक्ति पत्र लेने जा रहा है, तो क्या उसे अपना चेहरा नहीं दिखाना चाहिए? क्या यह कोई इस्लामिक देश है? नीतीश कुमार ने अभिभावक की भूमिका निभाई।'' उन्होंने कहा, '' अगर आप पासपोर्ट बनवाने जाते हैं, तो क्या आप अपना चेहरा नहीं दिखाते? जब आप हवाई अड्डा जाते हैं, तो क्या अपना चेहरा नहीं दिखाते? लोग पाकिस्तान और इंग्लिशस्तान की बातें करते हैं, लेकिन यह भारत है। भारत में कानून का राज है।'' सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार ने सही किया। महिला द्वारा इस घटना के बाद नौकरी स्वीकार करने से इनकार किए जाने की खबरों पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''वो इनकार करे, या जहन्नुम में जाए। ये उसकी मर्जी है। ''

बिहार के कटिहार से कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने गिरिराज सिंह की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की और कहा कि वह 'घटिया मानसिकता' वाले व्यक्ति हैं। तारिक अनवर ने कहा, '' ये निम्न स्तर के लोग हैं, इनकी सोच बहुत घटिया है। वे यह नहीं समझते कि हमारा देश धर्मनिरपेक्ष है। हर किसी को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है। जो कुछ नीतीश कुमार ने किया वह शर्मनाक और दुखद है।'' पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने भी सिंह की इस टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा।

जावेद अख्तर ने नकाब विवाद पर कहा, नीतीश कुमार को महिला से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए

नई दिल्ली/भाषा। मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'पर्दा' की पारंपरिक अवधारणा के खिलाफ उनके विचार सर्वविदित हैं, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक सार्वजनिक समारोह में महिला का नकाब हटाने की घटना को वह स्वीकार नहीं कर सकते। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और इसने एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। यह घटना मुख्यमंत्री सचिवालय में हुई, जहां कुमार आयुष चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र दे रहे थे। जब महिला अपना नियुक्ति पत्र लेने आई, तो नीतीश कुमार ने उसका नकाब देखा और पूछा, ''यह क्या है?'' इसके बाद उन्होंने नकाब हटा दिया। अख्तर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह इस घटना की ''कड़े शब्दों में'' निंदा करते हैं।

उन्होंने लिखा, ''जो भी मुझे थोड़ा बहुत भी जानता है, उसे पता है कि मैं 'पर्दा' परंपरा के कितना खिलाफ हूं, लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि मैं नीतीश कुमार द्वारा एक मुस्लिम महिला डॉक्टर के साथ किए गए बर्ताव को किसी भी तरह से स्वीकार कर लूं... नीतीश कुमार को उस महिला से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।''

संघ और भाजपा देश को विभाजन की ओर ले जा रही है : डी. राजा

शेखपुरा/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राष्ट्रीय महासचिव डी. राजा ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर देश को विभाजन की दिशा में ले जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में संघ का कोई योगदान नहीं रहा और आज वे स्वयं को नायक साबित करने में लगे हैं।

शेखपुरा में पार्टी की राज्य परिषद की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने पहुंचे डी. राजा ने उद्घाटन सत्र के दौरान पत्रकारों से बातचीत में बिहार, देश और अंतरराष्ट्रीय राजनीति से जुड़े मुद्दों पर पार्टी का पक्ष रखा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों ही मोर्चों पर विफल रहे हैं।

राजा ने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार कमजोर हो रहा है जबकि प्रधानमंत्री आत्मप्रशंसा में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, हमने देशों के बीच 'ट्रेड वॉर' के बारे में सुना था लेकिन आज देश 'टैरिफ वॉर' झेल रहा है और प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने पूरी तरह नतमस्तक नजर आते हैं।

चाय और पकौड़े हाथ में लेकर कोलकाता की सड़कों पर उतरे एसएससी परीक्षा के अभ्यर्थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) में नौकरी पाने के इच्छुक असंतुष्ट उम्मीदवारों ने चाय की केतलियां, पकौड़े और मुरमुरे के पैकेट लेकर बृहस्पतिवार को कोलकाता की सड़कों पर प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा चाय और नाश्ता बेचकर स्वरोजगार का सुझाव देने के एक दिन बाद छात्रों ने प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया। बनर्जी के बयान के विरोध में शहर में दो अलग-अलग मार्च निकाले गए।

दृष्टिबाधित और दिव्यांग नौकरी चाहने वालों द्वारा आयोजित पहला प्रदर्शन सॉल्ट लेक स्थित बिकाश भवन के बाहर हुआ, जहां प्रदर्शनकारियों ने लंबे समय से रिक्त पदों पर नौकरियों की बहाली की मांग की। उन्होंने शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु से मुलाकात की मांग की, लेकिन आरोप लगाया कि उन्हें मिलने से मना कर दिया गया, जिसके कारण शिक्षा विभाग के मुख्यालय के बाहर गुस्से में प्रदर्शन हुए।

दूसरे मार्च में एसएससी के उम्मीदवारों ने भर्ती प्रक्रिया में व्याप्त व्यवस्थागत अन्याय के विरोध में सियालदह से धर्मतला तक पैदल मार्च किया। इन उम्मीदवारों को पहले नौकरी दी गई थी।

कई अभ्यर्थियों ने चाय की केतली, कप और 'चॉप-मुरी' के पैकेट ले रखे थे, जिससे उनका प्रदर्शन सीधे मुख्यमंत्री की हाल ही में की गई टिप्पणियों से जुड़ा हुआ था।

नेताजी इंडोर स्टेडियम में बुधवार को एक व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए बनर्जी ने आत्मनिर्भरता और लघु उद्यमशीलता के बारे में बात की थी, और सुझाव दिया था कि लोग बस स्टैंड या रेलवे प्लेटफॉर्म पर चाय, बिस्कुट या 'घुगनी' बेचकर कमाई शुरू कर सकते हैं।

हरमनप्रीत अब भी भारत की अगुआई करने के लिए सर्वश्रेष्ठ, अंजुम चोपड़ा ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा का मानना है कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय सत्र और आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से पूर्व कप्तानी को लेकर बहस फिर से शुरू होने के बावजूद हरमनप्रीत कौर महिला राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं।

विश्व कप में जीत के बाद भारतीय महिला टीम श्रीलंका के खिलाफ टी20 शृंखला के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेगी और ऐसे में अंजुम का मानना है कि कप्तानी में बदलाव के बारे में अटकलें लगाने की जगह ध्यान इस लय को बरकरार रखने पर होना चाहिए। अंजुम ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''पिछले इतने वर्षों से मेरा निजी तौर पर मानना है कि हरमनप्रीत कौर एक मैच विजेता हैं। मुझे नहीं लगता कि मुझे और कुछ कहने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, ''वह इस भारतीय टीम की कप्तानी करने के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं।'' अंजुम ने पूर्व भारतीय कप्तान शांता रंगास्वामी के कप्तान बदलने के हालिया सुझाव को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे विचार निजी होते हैं। उन्होंने कहा, ''हर किसी को अपनी बात कहने का हक है। इसमें कुछ भी सही या गलत नहीं है। मुझे अब भी लगता है कि वह भारत की कप्तानी करने के लिए सही और सबसे काबिल हैं।'' श्रीलंका के खिलाफ शृंखला को देखते हुए अंजुम ने जीत के जश्न के बाद जल्दी से क्रिकेट पर ध्यान वापस लाने की अहमियत पर जोर दिया। अंजुम ने कहा, ''वे जितनी जल्दी खेलने के लिए उतरेंगे उतना अच्छा होगा क्योंकि हर कोई जीत की लय को बनाए रखना चाहता हैं।'' उन्होंने कहा, ''जैसे ही आप मैदान पर वापस कदम रखते हैं तो आप वहीं से शुरू करना चाहते हैं जहां आपने छोड़ा था।''

कोहरे के मौसम में उत्तर नहीं, दक्षिण भारत में कराए जाएं क्रिकेट मैच : शशि थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिसंबर के मध्य से जनवरी के मध्य के बीच क्रिकेट मैच उत्तर के बजाय दक्षिण भारत में आयोजित किए जाएं, ताकि क्रिकेट प्रेमी ठगा हुआ महसूस ना करें। थरूर की यह टिप्पणी भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच लखनऊ में चौथे टी20 मैच को खराब दृश्यता के कारण रद्द किए जाने के एक दिन बाद आयी है। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में प्रस्तावित इस मैच को घने कोहरे के कारण मैच रद्द करना पड़ा।

खुद को क्रिकेट प्रशंसक कहने वाले थरूर ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''मेरी चिंता यह है कि दिसंबर के मध्य से जनवरी के मध्य तक, उत्तर भारत में हर जगह कोहरा रहता है और आप अच्छी तरह से जानते हैं कि ऐसी स्थिति में क्रिकेटरों के लिए गेंद देखना भी असंभव हो जाता है।''थरूर ने कहा, ''कल पूरा देश इस बात से निराश था कि हम दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच मैच नहीं करा सके। इसलिए, मेरा तर्क बस इतना है कि इस अवधि के दौरान दक्षिण भारत में मैच आयोजित किए जाएं। मेरे (संसदीय क्षेत्र) तिरुवनंतपुरम में एक अद्भुत स्टेडियम है, हम लोगों की मेजबानी करने के लिए तैयार हैं। आएं और खेलें।''

सुविचार

वह व्यक्ति जो अपनी मृत्यु के समय मुझे याद करते हुए अपना शरीर त्यागता है, वह मेरे धाम को प्राप्त होता है और इसमें कोई शंशय नही है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कुछ मौकों पर ही क्यों याद आते हैं गांधी?

जब से विकसित भारत–रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी– जी राम जी) विधेयक, 2025 पर चर्चा शुरू हुई है, कुछ नेताओं को महात्मा गांधी की ज्यादा ही याद आ रही है। विपक्षी सांसदों को इस विधेयक के कमजोर पहलुओं के बारे में आवाज जरूर उठानी चाहिए। इसमें क्या सुधार किए जा सकते हैं, मजदूरी के दिनों की संख्या कितनी होनी चाहिए, न्यूनतम मजदूरी कितनी होनी चाहिए, इसमें किन कार्यों को जोड़ा जा सकता है – जैसे कई बिंदु हैं, जिन पर वाजिब दलीलों के साथ बहस होनी चाहिए। लेकिन यह कहना कि 'महात्मा गांधी का नाम मिटाया जा रहा है, उनका अपमान किया जा रहा है', कई सवालों को जन्म देता है। महात्मा गांधी के नाम को न तो कोई हटा सकता है, न मिटा सकता है। यह नाम किसी प्रचार के कारण नहीं, तपस्या के कारण जाना जाता है। महात्मा गांधी के नाम को शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्यवाद भी नहीं मिटा सका था, इसलिए नेतागण उनके नाम की फिक्र न करें। अगर फिक्र करनी है तो अपने काम की करें। आज महात्मा गांधी होते तो देश की समस्याओं के समाधान के लिए क्या करते? विपक्ष के जो नेता महात्मा गांधी के नाम की माला जपते रहते हैं, वे अपने जीवन में उनके आदर्शों का कितना पालन करते हैं? गांधीजी ने अंग्रेज हुकूमत के विरोध में अपने शरीर से विदेशी वस्त्र उतार फेंके थे और हाथ से बनी धोती पहनते थे। उन्होंने देशवासियों को चरखे का महत्त्व समझाकर स्वदेशी को अपनाने का आह्वान किया था। उससे कितना बड़ा आंदोलन खड़ा हो गया था! आज कितने नेता (सत्ता पक्ष और विपक्ष) स्वदेशी के लिए समर्पित हैं?

मोहनदास को महात्मा किसी सोशल मीडिया पोस्ट ने नहीं बनाया था। दक्षिण अफ़्रीका के पीटरमैरिट्ज़बर्ग रेलवे स्टेशन पर नस्लीय भेदभाव होने के बाद उन्होंने सत्याग्रह शुरू किया था। एक लंबी तपस्या ने उनमें वह आत्मबल पैदा किया, जिससे अत्याचारी ब्रिटिश सरकार भी घबराती थी। सवाल है– महात्मा गांधी कुछ खास मौकों पर ही क्यों याद आते हैं? नेताओं से तो यह उम्मीद की जाती है कि वे हमेशा महात्मा गांधी को याद रखें और उनके आदर्शों के अनुसार जीवन बिताएं। गांधीजी सत्य, सरलता और सादगी की मूर्ति थे। नेतागण इन विशेषताओं को अपनाने का ही संकल्प ले लें। अभी देश के सामने दो बड़ी समस्याएं हैं– डॉलर के मुकाबले रुपए का गिरना और दिल्ली समेत कई इलाकों में गंभीर वायु प्रदूषण होना। सत्ता पक्ष और विपक्ष एक–दूसरे पर शब्दबाण छोड़ना बंद करें और इन समस्याओं के पुख्ता समाधान ढूंढ़ें। सभी सांसद और विधायक मिलकर स्वदेशी का प्रचार क्यों नहीं करते? वे अपने परिवार से लेकर निर्वाचन क्षेत्र तक, स्वदेशी चीजों के नामों वाली सूची का वितरण क्यों नहीं करते? डॉलर 90 पार चला गया, इसे 80 पर कैसे ला सकते हैं? इस पर नेतागण कोई सुझाव क्यों नहीं देते? मतदाताओं ने आपको खींचतान करने के लिए नहीं, देशवासियों का कल्याण करने के लिए चुना है। दिल्ली में भारत के वरिष्ठ नेता, अधिकारी, विशेषज्ञ और बहुत ज्ञानी लोग बैठते हैं, लेकिन वे वायु प्रदूषण दूर नहीं कर पा रहे हैं। इनके घरों में एयर प्यूरीफायर लगे हैं, जबकि आम जनता त्रस्त है। कोई एक नेता तो आगे आकर मिसाल कायम करे। वायु प्रदूषण दूर करने के कई तरीके हो सकते हैं। सबसे असरदार तरीका है– संसाधनों का कम उपभोग। इससे कम उत्सर्जन होगा। नेतागण अपने काफिलों में वाहनों की संख्या घटाएं, जीवन में सादगी पर जोर दें। उन्हें देखकर जनता प्रेरित होगी। इससे वायु प्रदूषण दूर होगा। एक–दूसरे पर ठीकरा फोड़ने से समस्याएं कम नहीं होंगी, बल्कि और बढ़ेंगी। नेतागण अपनी जिम्मेदारी समझें और देशहित के लिए गंभीरता से काम करें।

ट्वीटर टॉक

आज हरियालो राजस्थान पर्यावरण कॉन्क्लेव को संबोधित किया तथा 'मेरी लाइफसस्टेनेबल लाइफस्टाइल फॉर एनवायरन्मेंट' पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े प्रभावी प्रयासों की सराहना की।

–भजनलाल शर्मा

हिमालय पर्वत की 12,600 फीट ऊँचाई पर स्थित गढ़वाल रेंज की बर्फीली केदारकंठा चोटी पर भारतीय ध्वज फहराने के संकल्प के साथ विद्याधरनगर विधानसभा क्षेत्र से रवाना हो रही 6 सदस्यीय टीम का उत्साहवर्धन कर उन्हें हरि झंडी दिखाकर प्रस्थान कराया।

–दिया कुमारी

भाजपाई षड्यंत्र के खिलाफ कल कांग्रेस के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस की बर्बर कार्रवाई से घायल हुए चाकसू युवा कांग्रेस अध्यक्ष लोकेश मीणा जी से पीसीसी में मुलाक़ात कर उनकी कुशलकुशलक्षेम जानी।

–गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

धैर्य से सफलता

एक बार मार्टिन लूथर किंग जूनियर एक छोटे शहर में भाषण देने पहुंचे। भाषण के बाद एक युवक उनके पास आया। उसके चेहरे पर गुस्सा और निराशा थी। वह बोला, 'डॉ. किंग, लोग मेरे साथ अन्याय करते हैं। मुझे लगता है कि बिना संघर्ष और क्रोध के परिवर्तन संभव नहीं है।' किंग उसे नदी के किनारे ले गए। वहां एक अधूरा पुल बन रहा था। दोनों किनारों पर खड़े लोग एक–दूसरे को देख तो सकते थे, पर पहुंच नहीं पा रहे थे। किंग ने पूछा, 'इस नदी को पार करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है?' युवक बोला, 'पुल पूरा करना।' किंग मुस्कुराए, 'बिल्कुल। अगर हम नदी को कोसते रहें, या सामने वाले किनारे से लड़ें, तो दूरी कम नहीं होगी। नफरत और हिंसा पुल नहीं बनातीं। वे सिर्फ खाई को गहरा करती हैं। न्याय का रास्ता धैर्य, साहस और करुणा से बनता है।' युवक देर तक उस अधूरे पुल को देखता रहा। उसे अहसास हुआ कि क्रोध ने उसे अपनी ही मंजिल से दूर कर दिया था।

सामयिक

काकोरी कांड : आजादी के संघर्ष का अमर अध्याय

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजनीतिक आंदोलनों, प्रस्तावों और समझौतों का क्रम नहीं है बल्कि यह उन असंख्य क्रांतिकारियों की त्यागमयी गाथा भी है, जिन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन बलिदानों ने गुलामी की जड़ों को भीतर से हिलाया और जनता के मन में यह विश्वास जगाया कि अंग्रेजी हुकूमत अजेय नहीं है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक और निर्णायक घटना है काकोरी कांड, जिसने न केवल ब्रिटिश सत्ता को गहरी चुनौती दी बल्कि भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को एक नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारियों को केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माना जाता है। उनकी शहादत की स्मृति में हर वर्ष 19 दिसम्बर को काकोरी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो हमें स्वतंत्रता की कीमत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का बोध कराता है।

काकोरी कांड का सबसे अनछुआ पहलू यह है कि यह केवल धन लूट की घटना नहीं थी बल्कि यह एक वैचारिक विद्रोह था, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी शासन की नैतिक वैधता को चुनौती देना और यह संदेश देना था कि भारत अब दासता स्वीकार नहीं करेगा। इस घटना ने आगे चलकर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं को भी गहराई से प्रभावित किया।

बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में भारत का राजनीतिक परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन ने देश में जन–जागरण की लहर पैदा की थी। 1920 में शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया था लेकिन फरवरी 1922 में चौरी–चौरा कांड के बाद गांधी जी द्वारा आंदोलन वापस लिए जाने से देश के एक बड़े वर्ग, विशेषकर युवा क्रांतिकारियों में गहरी निराशा फैल गई। वे मानते थे कि जब अंग्रेज दमन और हिंसा का सहारा ले रहे हैं, तब केवल अहिंसा के माध्यम से आजादी पाना कठिन है। यही वह ऐतिहासिक मोड़ था, जहां से संगठित क्रांतिकारी आंदोलन ने नई दिशा पकड़ी। निराश लेकिन दृढ़ निश्चयी युवाओं ने यह ठान लिया कि वे किसी भी कीमत पर स्वतंत्रता के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे। इसी सोच के परिणामस्वरूप 1923 में शचीन्द्रनाथ सान्याल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) की स्थापना हुई। इस संगठन का उद्देश्य केवल ब्रिटिश शासन का विरोध करना नहीं बल्कि एक ऐसे स्वतंत्र, गणराज्यात्मक भारत की स्थापना करना था, जहां शोषण और अन्याय का कोई स्थान न हो।

एचआरए के प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, योगेशचंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ बख्शी जैसे साहसी क्रांतिकारी शामिल थे। बाद में चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे तेजस्वी क्रांतिकारी भी इस विचारधारा से जुड़े। संगठन का स्पष्ट मत था कि क्रांति के लिए संसाधन चाहिए और संसाधनों के लिए धन। लेकिन चंदा मांगना न केवल संगठन की गोपनीयता को खतरे में डाल सकता था बल्कि अंग्रेजी खुफिया तंत्र को भी सतर्क कर सकता था। ऐसे में निर्णय लिया गया कि ब्रिटिश सरकार के ही खजाने को निशाना बनाया जाए।

इस विचार को कार्यरूप देने की जिम्मेदारी संगठन के सेनापति पं. राम प्रसाद बिस्मिल को सौंपी गई। प्रारंभिक प्रयासों में क्रांतिकारियों ने कुछ धन जुटाने की कोशिश की, लेकिन वह हथियारों और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए पर्याप्त नहीं था। अंततः यह निर्णय लिया गया कि सीधे सरकारी खजाने पर हाथ डाला जाए। यह फैसला न केवल साहसिक था बल्कि अत्यंत जोखिम भरा भी, क्योंकि असफलता की स्थिति में इसका परिणाम मृत्यु या आजीवन कारावास हो सकता था।

8 अगस्त 1925 को बिस्मिल के घर एक गुप्त बैठक हुई, जिसमें ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने की विस्तृत योजना बनाई गई। अगले ही दिन 9 अगस्त 1925 को एचआरए के दस क्रांतिकारी सहारनपुर–लखनऊ पैसेंजर ट्रेन में सवार हुए। इनमें राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र लाहिड़ी, शचीन्द्रनाथ बख्शी, मन्मथनाथ गुप्त, मुरारी शर्मा, बनवारी लाल, केशव चक्रवर्ती और मुकुंदी लाल शामिल थे। लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चेन खींचकर उसे रोका गया। योजना के अनुसार, राजेंद्र लाहिड़ी ने नेतृत्व संभाला और कुछ ही क्षणों में सरकारी खजाने को कब्जे में ले लिया गया। यह कार्रवाई इतनी सुनियोजित थी कि यात्रियों को अधिक नुकसान नहीं हुआ। हालांकि दुर्भाग्यवश एक आकस्मिक गोली चलने से एक यात्री की मृत्यु हो गई, जिसे बाद में ब्रिटिश सरकार ने पूरे मामले को और अधिक संगीन बनाने के लिए प्रमुख आधार बनाया।

इस लूट में कुल 4601 रुपये प्राप्त हुए, जो उस समय एक बड़ी राशि थी। अगले ही दिन यह खबर अखबारों के माध्यम से पूरे देश और विदेश में फैल गई। लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स तक में इस घटना की चर्चा हुई। ब्रिटिश सरकार हिल गई और उसने इसे अपनी सत्ता के लिए खुली चुनौती माना। इसके बाद जो दमनचक्र चला, वह भारतीय इतिहास के सबसे कठोर अभियानों में से एक था। ब्रिटिश सरकार ने एचआरए के लगभग 40 क्रांतिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाया। लंबी सुनवाई और कठोर पूछताछ के बाद अंग्रेजी अदालत ने चार क्रांतिकारियों को फांसी की सजा सुनाई। राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को 17 दिसम्बर 1927 को गोंडा जेल में फांसी दी गई। इसके दो दिन बाद 19 दिसम्बर 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान और रोशन सिंह को अलग–अलग जेलों में फांसी दे दी गई। इन फांसियों ने पूरे देश को झकझोर दिया। हिंदू–मुस्लिम एकता की अद्भुत मिसाल बने बिस्मिल और अशफाक की मित्रता ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता संग्राम किसी एक धर्म या समुदाय का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का संघर्ष था। उनकी शहादत ने असहयोग आंदोलन के बाद ठहर गई क्रांतिकारी चेतना को फिर से प्रज्वलित कर दिया।

काकोरी कांड का सबसे अनछुआ पहलू यह है कि यह केवल धन लूट की घटना नहीं थी बल्कि यह एक वैचारिक विद्रोह था, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी शासन की नैतिक वैधता को चुनौती देना और यह संदेश देना था कि भारत अब दासता स्वीकार नहीं करेगा। इस घटना ने आगे चलकर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं को भी गहराई से प्रभावित किया। आज, जब हम काकोरी शहीद दिवस मनाते हैं तो यह केवल अतीत को स्मरण करने का अवसर नहीं है बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा लेने का दिन है। काकोरी के शूरवीरों ने हमें सिखाया कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं बल्कि कर्त्तव्य भी है उसकी रक्षा का, उसकी गरिमा बनाए रखने का। काकोरी कांड के शहीदों का बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा। उनका साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाता रहेगा कि भारत की आजादी यूं ही नहीं मिली बल्कि इसके पीछे अनगिनत वीरों का लहू बहा है। भारत आज भी उनका ऋणी है और सदैव रहेगा।

नजरिया

मानव एकजुटता से ही बचेगा मानव-सभ्यता का अस्तित्व

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2005 में घोषित किया था और इसका मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, सतत विकास और विविधता में एकता को बढ़ावा देने के लिए लोगों को एकजुटता के महत्व के बारे में जागरूक करना है, ताकि वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटा जा सके। इस दिवस को मनाते हुए मुख्य विचार है कि 'एकजुटता में नवाचार और प्रौद्योगिकी', 'युवा–नेतृत्व वाली एकजुटता' और सतत विकास लक्ष्यों के लिए 'एकजुटता' जैसे विषयों पर केंद्रित है। आज की दुनिया एक विचित्र और विरोधाभासी दौर से गुजर रही है। एक ओर विज्ञान, तकनीक और संचार ने पूरी पृथ्वी को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है, तो दूसरी ओर मनुष्यों के बीच की दूरी, गरीबी, अशिक्षा, अविश्वास और वैमनस्य लगातार बढ़ता जा रहा है। युद्ध, आतंक, हिंसा, नस्लवाद, धार्मिक कट्टरता और आर्थिक असमानता ने मानव सभ्यता के मूल उद्देश्य पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता एवं एकजुटता दिवस न केवल नये मानवीय मूल्यों से प्रेरित समतामूलक समाज–संरचना की प्रेरणा है, बल्कि मानव जाति के लिए आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर है। इस दिवस की मूल भावना यही है कि गरीबी का उन्मूलन हो, विकास अंतिम आदमी तक पहुंचे, मनुष्य पहले मनुष्य बने, उसके बाद उसकी पहचान राष्ट्र, धर्म, भाषा, रंग या विचारधारा से हो। आज जब दुनिया अनेक खेमों में बँटती जा रही है, तब सभी मानव पहले मानव की चेतना को पुनः जाग्रत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।

भारतीय चिंतन ने सदियों पहले वसुधैव कुटुम्बकम् का जो सूत्र दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है, बल्कि यह भी है कि परिवार के हर सदस्य का सुख–दुःख, सम्मान और अस्तित्व समान रूप से महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्यवश आधुनिक विश्व ने इस सूत्र को एक सुंदर नारे तक सीमित कर दिया है। व्यवहार में हम राष्ट्रहित, संप्रदायहित और व्यक्तिगत स्वार्थ को मानवहित से ऊपर रख देते हैं। परिणामस्वरूप युद्ध की आग में निर्दोष बच्चे झुलसते हैं, आतंक की छाया में सामान्य नागरिक भय के साथ जीने को मजबूर होते हैं और आर्थिक शोषण के कारण करोड़ों लोग अभाव और भूख की रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं। मानव एकता का दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि जब तक मनुष्य की दृष्टि संकीर्ण रहेगी, तब तक शांति केवल एक सपना बनी रहेगी।

आज के युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे विचारों, सूचनाओं और मानसिकताओं में भी लड़े जा रहे हैं। कहीं नस्ल के नाम पर घृणा फैलाई जा रही है, कहीं धर्म के नाम पर हिंसा को सही ठहराया जा रहा है, तो कहीं राष्ट्रवाद के उग्र स्वर मानवता की कोमल आवाज़ को दबा रहे हैं। आतंकवाद इसी विकृत मानसिकता का सबसे घातक रूप है, जो न धर्म को मानता है, न मानव मूल्यों को। ऐसे में शांति की बातें करना कई लोगों को आदर्शवादी या अव्यावहारिक लग सकता है, किंतु इतिहास साक्षी है कि हिंसा ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। अस्तित्व की रक्षा केवल शांति, संवाद और सह–अस्तित्व से ही संभव है। मानव एकता दिवस इसी सत्य को वैश्विक चेतना में पुनः स्थापित करने का प्रयास है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के सहस्राब्दी घोषणापत्र में एकजुटता को इक्कीसवीं सदी के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में से एक बताया गया है, जिसके अनुसार सबसे कम पीड़ित या सबसे कम लाभान्वित लोगों को सबसे अधिक लाभान्वित लोगों से सहायता मिलनी चाहिए। इसलिए, वैश्वीकरण और बढ़ती असमानता की चुनौती के संदर्भ में, अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करना अपरिहार्य है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र महासभा इस बात से आश्वस्त है कि गरीबी से लड़ने के लिए एकजुटता की संस्कृति और साझा करने की भावना को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। गरीबी उन्मूलन के लिए विश्व एकजुटता कोष की स्थापना और अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस की घोषणा जैसी पहलों के माध्यम से, एकजुटता की अवधारणा को गरीबी के खिलाफ लड़ाई में और सभी संबंधित हितधारकों की भागीदारी में महत्वपूर्ण के रूप में बढ़ावा दिया गया।

मानव एकजुटता का अर्थ केवल संकट के समय सहायता करना नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में संवेदनशीलता, करुणा, समानता और सहानुभूति को अपनाना है। जब हम किसी दूसरे देश के युद्ध पीड़ितों को केवल समाचार की सुर्खी मानकर आगे बढ़ जाते हैं, तब हमारी मानवता कहीं न कहीं मर जाती है। जब शरणार्थियों को बोझ समझा जाता है और गरीब देशों की पीड़ा को अनदेखा किया जाता है, तब वैश्विक एकता का विचार खोखला प्रतीत होता है। मानव एकता का संदेश यह है कि किसी भी कोने में बहाया गया रक्त, पूरी मानवता को आहत करता है और कहीं भी बहाया गया आँसू, हमारी सामूहिक असफलता का प्रतीक है। यह दिवस हमें सिखाता है कि विविधता हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी ताकत है। भाषाएँ अलग हों, पूजा–पद्धतियाँ अलग हों, पर मनुष्य की पीड़ा, उसकी आशा और उसका सपना हर जगह एक जैसा होता है।

हिंसा और युद्ध के इस दौर में शांति की भाषा बोलना साहस का कार्य है। शांति केवल हथियारों के मौन का नाम नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सम्मान से उपजा हुआ विश्वास है। जब तक दुनिया में गहरी आर्थिक असमानता रहेगी, जब तक कुछ देशों का विकास दूसरों के शोषण पर आधारित रहेगा, तब तक वास्तविक मानव एकता संभव नहीं है। इसलिए मानव एकजुटता दिवस सामाजिक और आर्थिक न्याय की भी माँग करता है। यह याद दिलाता है कि संपन्नता का उद्देश्य केवल उपभोग नहीं, बल्कि साझेदारी है और शक्ति का उद्देश्य केवल प्रभुत्व नहीं, बल्कि संरक्षण है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा, मीडिया और राजनीति मानव एकता के मूल्यों को बढ़ावा दें। बच्चों को प्रारंभ से ही यह सिखाया जाए कि दूसरे का दर्द समझना कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। युवाओं में वैश्विक नागरिकता की भावना विकसित हो, जिसमें वे स्वयं को केवल किसी एक राष्ट्र का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का उत्तरदायी सदस्य मानें। तकनीक का उपयोग नफरत फैलाने के लिए नहीं, बल्कि संवाद और समझ बढ़ाने के लिए हो। तभी यह दिवस केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं रहेगा, बल्कि जीवन की एक जीवंत प्रेरणा बन सकेगा।

एकजुटता का अर्थ केवल सरकारी संबंध ही नहीं, बल्कि समस्त जन कल्याण भी है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार और सामाजिक विकास संबंधी पहलों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है, जिसका उद्देश्य एक ऐसी समतापूर्ण दुनिया का निर्माण करना है जहाँ सभी को विकास के अवसर प्राप्त हों। यह प्रतिबद्धता एकजुटता के आधारशिला के रूप में सार्वभौमिक प्रगति में गहरी आस्था को दर्शाती है। संयुक्त राष्ट्र की एकजुटता की अवधारणा ही उसके मिशन का आधार है। सामूहिक सुरक्षा एक ऐसा सिद्धांत है जो राष्ट्रों के बीच आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करता है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर इस बात पर ज़ोर देता है कि सदस्य देशों को सहयोग के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। इससे राष्ट्र सशस्त्र संघर्ष या आतंकवाद जैसे किसी भी खतरे के खिलाफ एकजुट हो सकते हैं। वैश्विक चुनौतियों के परस्पर संबंध को पहचानते हुए, संयुक्त राष्ट्र गरीबी, भूख और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की वकालत करता है। एकजुटता साझेदारी के माध्यम से प्रकट होती है जो संसाधनों के बंटवारे को बढ़ावा देती है और प्रत्येक राष्ट्र के प्रयासों को मजबूत करती है। अंततः मानव एकता एवं एकजुटता दिवस हमें एक सरल लेकिन गहन सत्य की ओर लौटने का आह्वान करता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी पहचान उसका मनुष्य होना है। यदि हम इस पहचान को बचा पाए, तो युद्ध, आतंक और हिंसा की अंधेरी रात अपने आप छँटने लगेगी। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को व्यवहार में उतारकर ही हम एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर सकते हैं जहाँ अस्तित्व भय से नहीं, विश्वास से संचालित हो; जहाँ शक्ति हथियारों में नहीं, करुणा में निहित हो; और जहाँ भविष्य की पीढ़ियाँ हमें एक ऐसी मानवता के रूप में याद करें, जिसने विभाजन नहीं, बल्कि एकता को चुना।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कोहरे के मौसम में दक्षिण भारत में कराए जाएं क्रिकेट मैच : थरूर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को कोहरे के दिनों में क्रिकेट मैच उत्तर के बजाय दक्षिण भारत में आयोजित कराने चाहिए, ताकि क्रिकेट प्रेमी ठगा हुआ महसूस न करें। थरूर ने बृहस्पतिवार सुबह संसद भवन परिसर में बीसीसीआई उपाध्यक्ष एवं कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला से भी इसे लेकर हल्के-फुल्के अंदाज में बात की। वह जब संवाददाताओं से बात कर रहे थे तब उन्होंने वहां से गुजर रहे शुक्ला को बुलाया और उनसे कहा, इस मौसम में दक्षिण भारत में मैच करवाइए।

थरूर की यह टिप्पणी भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच लखनऊ में चौथे टी20 मैच को खराब दृश्यता के कारण रद्द किए जाने के एक दिन बाद आयी है। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में प्रस्तावित इस मैच को घने कोहरे के कारण मैच रद्द करना पड़ा। खुद को क्रिकेट प्रशंसक कहने वाले थरूर ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, मेरी चिंता यह है कि दिसंबर के मध्य से जनवरी के मध्य तक, उत्तर भारत में हर जगह कोहरा रहता है और आप अच्छी तरह से जानते हैं कि ऐसी स्थिति में क्रिकेटरों के लिए गेंद देखना भी असंभव हो जाता है।

भारत में 2040 तक कैंसर रोगियों की संख्या 20 लाख तक पहुंच सकती है : जितेंद्र सिंह

दिल्ली/भाषा

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा को बताया कि दुनिया भर में कैंसर मामलों में चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरे स्थान पर है और 2040 तक देश में कैंसर के मामलों की संख्या लगभग 20 लाख हो सकती है।

सिंह ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए बताया कि जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने महिलाओं में गर्भाशय (सर्वाइकल) कैंसर के उपचार के लिए पहली बार एचपीवी वैक्सीन विकसित की है और सरकार इसे किफायती दर पर या मुफ्त में अधिक बड़ी आबादी तक उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, यह सच है कि पूरी दुनिया में कैंसर के मामले बढ़े हैं। अगर आप वैश्विक आंकड़े देखें तो हर साल दुनिया में दो करोड़ कैंसर रोगी होते हैं, यानी हर साल लगभग दो करोड़ कैंसर मरीज। भारत में ही हमारे पास लगभग 14 से 15 लाख, यानी करीब 15 लाख मामले हैं। सिंह ने कहा कि यह आंकड़ा 2040 तक बढ़कर लगभग 20 लाख होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि कैंसर की व्यापकता के लिहाज से भारत चीन और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने कहा कि इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं जिसमें देश के भीतर बीमारियों के स्वरूप में बदलाव होना शामिल है। उन्होंने कहा कि 1980 के दशक तक भारत संक्रामक रोगों से ग्रस्त था, इसके बाद गैर-संक्रामक रोगों का दौर आया। उन्होंने कहा कि आज की स्थिति में भारत दोनों से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, विडंबना यह है कि इनमें से कैंसर सहित कई बीमारियां, जो जीवन के उतरार्द्ध के दशकों में होती थीं, अब प्रारंभिक दशकों में हो रही हैं। जो कैंसर पहले अधिक उम्र में होता था, वह अब कम उम्र में भी हो सकता है। यही स्थिति हार्ट अटैक की भी है, जो पहले जीवन के बाद के चरण में होते थे, अब कम उम्र में हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भले ही समाज को इस बात पर गर्व है कि भारत की 70 प्रतिशत आबादी 40 वर्ष से कम उम्र की है, लेकिन सच्चाई का दूसरा पहलू यह भी है कि 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों की संख्या भी बढ़ी है, और इससे रोगों का बोझ भी बढ़ता है।उपचार के संबंध में मंत्री ने कहा कि सरकार ने देश के लगभग हर जिला अस्पताल में कैंसर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम शुरू किया है। उन्होंने कहा कि यह एक विविधताओं वाला देश है और कैंसर की प्रकृति भी अलग-अलग होती है। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए, उत्तर-पूर्व में सिर और गर्दन के कैंसर के मामले पाए जाते हैं। उन्होंने कहा, वैक्सीन के बारे में, जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने पहली बार एचपीवी वैक्सीन विकसित की है, जिसे सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में निवारक भूमिका निभाने वाला बताया जा रहा है, और कहा जाता है कि यह भारत में युवा महिलाओं में अधिक प्रचलित है।

सिंह ने कांग्रेस सदस्य रजनी अशोकराव पाटिल के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही। पाटिल ने पूछा था कि गरीब मरीजों के लिए आवश्यक कैंसर दवाओं की समय पर उपलब्धता और उनकी किफायती कीमत सुनिश्चित करने के लिए सरकार कौन से ठोस कदम उठा रही है?

सबसे बुरा दौर बीत चुका है : इंडिगो सीईओ

मुंबई/भाषा। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने बृहस्पतिवार को कर्मचारियों से कहा कि विमानन कंपनी ने परिचालन को सुचारू कर लिया है और सबसे बुरा दौर बीत चुका है। उन्होंने कहा कि कंपनी का ध्यान अब खुद को मजबूत करने, मूल कारण का विश्लेषण और फिर से वापसी करने पर है।कर्मचारियों को भेजे गए एक वीडियो संदेश में एल्बर्स ने कहा कि व्यवधानों के बाद इंडिगो ने अपनी अधिकतर उड़ान सेवाओं को बहाल कर दिया है।घरेलू विमानन कंपनी में परिचालन संबंधी व्यवधान के कारण इस महीने की शुरुआत में उसकी हजारों उड़ानें रद्द हुईं जिससे हवाई अड्डे पर लाखों यात्रियों को असुविधा और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। एक समय ऐसा था जब दिन में इसकी 1600 उड़ाने रद्द की जा रही थीं। इंडिगो ने तब से धीरे-धीरे सेवाएं बहाल कर दी हैं। बृहस्पतिवार को 2,200 उड़ानें संचालित की गईं। विमानन कंपनी व्यवधान के कारणों की समीक्षा कर रही है। साथ ही प्रभावित ग्राहकों को मुआवजा देते हुए अपने परिचालन को सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज किया गया। इसको लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। यह फिल्म क्रिसमस के मौके पर 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म में कॉमेडी, रोमांस और इमोशन का पूरा मिश्रण है। ट्रेलर की शुरुआत ही फैंस को अपनी ओर खींच रही है। ट्रेलर की शुरुआत कार्तिक आर्यन के वॉयसओवर से होती है, जिसमें वह कहते हैं, ''कोई कहता है फ्यूचर के बारे में सोचो, तो कोई कहता है पास्ट को देखकर चलो, मैं मानता हूं आज में जियो। यहां, इस पल। सिर्फ हम दोनों।'' फिल्म में कार्तिक का किरदार रेहान नामक लड़के का है, जिसे प्यार से 'रे' बुलाते हैं। वह मौज-मस्ती करने वाला और बिंदास लड़का है। कार्तिक अपने कूल अंदाज और सिक्स पैक बॉडी के साथ स्क्रीन पर छा गए। वहीं, अनन्या पांडे भूमि वर्धन के किरदार में हैं, जिनकी एंट्री ट्रेलर में एक ताजगी लेकर आई। दोनों की पहली मुलाकात एयरपोर्ट पर होती है और यहीं से उनके बीच की नोक-झोंक, दोस्ती और रोमांस की शुरुआत होती है।

ट्रेलर में कार्तिक और अनन्या की केमिस्ट्री काफी क्यूट है। उनकी बातचीत, छोटी-छोटी नोक-झोंक और हल्की-फुल्की शरारतें दर्शकों को उनके किरदारों से बांधकर रखती हैं।

इसके अलावा, फिल्म में दोनों के डांस मूव्स और मस्ती भरे पल भी दिखाए गए हैं, जो कॉमेडी और रोमांस के मिश्रण को मजबूती से पेश करते हैं।ट्रेलर में इमोशनल सीन भी शामिल हैं। इस दौरान कार्तिक का एक डायलॉग आता है, ''जो मर्द अपनी पसंदीदा औरत के लिए कुर्बानी न दे, वो मर्द, मर्द नहीं होता।'' फिल्म रोमांस के अलावा, रिश्तों और प्यार के अहम पहलुओं को भी दर्शाएगी।ट्रेलर में नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ के किरदारों की झलक भी देखने को मिली। ट्रेलर की समाप्ति भी कार्तिक के वॉयसओवर में होती है, ''किस्से, कहानियां, चर्चे, दास्तां अधूरे इश्क के ही होते हैं।''ट्रेलर देखने के बाद साफ है कि फिल्म में प्यार, रोमांस और रिश्तों के उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे।फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शन्स और नमः पिक्चर्स के बैनर तले किया गया है। इसका निर्देशन समीर विद्वांस ने किया है। इसे करण जौहर, आदर पूनावाला, अपूर्व मेहता, भूमिका तिवारी, शरीन मंट्री केडिया और किशोर अरोड़ा ने प्रोड्यूस किया है। कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स करण श्रीकांत शर्मा ने लिखे हैं, जबकि म्यूजिक विशाल-शेखर की जोड़ी ने दिया है। अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अपनी आने वाली फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के ट्रेलर लॉन्च से पहले एक खास और आध्यात्मिक पल अपने प्रशंसकों के साथ साझा किया।

विरोध

नई दिल्ली में गुरुवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, टीआर बालू और दूसरे विपक्षी सदस्य संसद भवन परिसर में चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान विरोध प्रदर्शन के दौरान नारे लगाते हुए।

अनुपम खेर और दीप्ति नवल भी हुए 'धुरंधर' के फैन

मुंबई/एजेन्सी

हालिया रिलीज स्पाई एक्शन फिल्म 'धुरंधर' की धूम हर जगह देखने को मिल रही है। रिलीज के बाद फिल्म की स्टारकास्ट, गाने और बेहतरीन स्टोरी लाइन की सराहना हो रही है। दर्शकों से लेकर इंडस्ट्री की मशहूर हस्तियों ने भी फिल्म की काफी सराहना की। फिल्म की तारीफ करने वालों की लिस्ट में अब दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर और दीप्ति नवल का नाम भी जुड़ गया है। बुधवार को अभिनेता ने फिल्म की तारीफ करते हुए अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे ड्राइव पर जा रहे हैं। वहीं, वीडियो के बैकग्राउंड में धुरंधर का लोकप्रिय गाना 'इश्क जलाकर-कारवां' बज रहा है। वीडियो शेयर कर अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, जब सारा देश धुरंधर और उसके म्यूजिक के जुनून में है, तो मैंने सोचा मैं क्यों नहीं, तो निकल पड़े हम तीन दोस्त (हरमन, अंकुर और मैं) भी एक लंबी ड्राइव पर।

आदित्य धर की जय हो। बता दें कि फिल्म 'धुरंधर' का गाना 'इश्क जलाकर' पुरानी क्लासिक कव्वाली का रीक्रिएटेड वर्जन है, जो फिल्म के म्यूजिक एल्बम का हिस्सा है और इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। गाने को शाश्वत सचदेव, शहजाद अली, शुभदीप दास चौधरी और अरमान खान ने गाया है, जबकि लिरिक्स इरशाद कमिल और साहिर लुधियानवी के हैं। वहीं, म्यूजिक कंपोज शाश्वत सचदेव ने किया है।

अभिनेत्री दीप्ति नवल ने इंस्टाग्राम पर रणवीर सिंह की तस्वीर शेयर की। उन्होंने फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा, मैंने फिल्म देखी। इसमें रणवीर का परफॉर्मेंस वाकई में कमाल का है। वैसे तो मैं अक्षय की बहुत बड़ी फैन हूं, और इस फिल्म में भी उन्होंने बेहतरीन काम किया है। सभी कलाकारों का अभिनय शानदार रहा है। मैं निर्देशक और उनकी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई देना चाहती हूं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ का आंकड़ा पार चुकी है। फिल्म देखने वाले अधिकतर दर्शक इसकी तारीफ कर रहे हैं। आदित्य द्वारा निर्देशित फिल्म में संजय दत्त, सौम्या, सारा अर्जुन, अक्षय खन्ना, रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल मुख्य भूमिका में हैं।

जब आप डर की बजाय जीवन को चुनते हैं, सब कुछ बदल जाता है : कुब्रा सैत

मुंबई/एजेन्सी

अपने दस दिनों के ब्रह्मपुत्र राफ्टिंग के साहसिक अनुभवों से गुज़रकर कुब्रा सैत लौट चुकी हैं, लेकिन इस बार वे पूरी तरह एक नए दृष्टिकोण के साथ लौटी हैं, जिसमें उन्होंने डर की बजाय साहस को चुनने का संदेश दिया है. गौरतलब है कि फिल्म और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अपनी दमदार और बहुमुखी अभिनय के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत ने हमेशा खुद को एक ऐसे अभिनेता के रूप में स्थापित किया है, जो अपनी गहरी और सच्चाई से भरी परफॉर्मेंस के लिए प्रसिद्ध हैं। हालांकि स्क्रीन के साथ वे वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करना भी अच्छे से जानती हैं। फिलहाल अरुणाचल प्रदेश के सियांग नदी, जो ब्रह्मपुत्र की ऊपरी धारा है, पर 180 किलोमीटर की कठिन राफ्टिंग यात्रा पूरी करने के बाद वे काफी रोमांचित महसूस कर रही हैं। 12 दिनों में संपन्न हुई, जिसमें सात दिन लगातार राफ्टिंग थी। यह यात्रा अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले के दूरदराज इलाकों से होकर गुजरी, जहां मोबाइल नेटवर्क और आधुनिक सुविधाएं नहीं थीं। सियांग-ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली अपने चौड़े, तेज-बहाव वाले धाराओं और अप्रत्याशित रैपिड्स के लिए जानी जाती है, जो शारीरिक सहनशक्ति, तकनीकी कौशल और मानसिक ध्यान की आवश्यकता होती है। इस दौरान टीम ने नदी के किनारे कैंप लगाए और केवल बुनियादी सुविधाओं के साथ समय बिताया। अपनी यात्रा की झलकियां इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा है, साहसिक यात्रा तब नहीं होती जब आप इसके बारे में सपना देखते हैं, बल्कि तब होती है जब आप अपने कैलेंडर पर एक तारीख चुनते हैं और उसे पूरा करने का संकल्प करते हैं। इस यात्रा ने मुझे यह याद दिलाया कि मैं साहस को क्यों चुनती हूं, इसलिए नहीं कि मैं निडर हूं, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं डर को पार करना सीख रही हूं। जब आप जीवन को जीवन शक्ति के साथ चुनते हैं, तो सब कुछ बदल जाता है।

कुब्रा ने यह भी बताया कि इस अभियान के दौरान वे कई लोगों से मिली, लेकिन उन्हें सबसे ज़्यादा प्रभावित किया 19 वर्षीय तामार ने। तामार ने कुब्रा को उनके 19 वर्षीय सेल्फ से मिलवाया और याद दिलाया कि साहस क्या होता है, बजाय इसके कि दुनिया हमें संकोच सिखाए। ब्रह्मपुत्र राफ्टिंग के अपने अनुभव में उन्होंने वहां के खुशनुमा मौसम का ज़िक्र करते हुए यह भी लिखा है कि शहरों के मुकाबले स्वच्छ वातावरण और पूरे चाँद ने उन्हें एक और नया नज़रिया दिया। वे लिखती हैं, यह वह सुविधाएँ हैं, जिनके सुखद अनुभव और उनके होने को हम भूल जाते हैं। फिलहाल दुनिया की चौथी सबसे बड़ी नदी ब्रह्मपुत्र को सियांग के माध्यम से 30 लोगों के साथ पार करना, यह वाकई शब्दों से परे एक अनुभव था। कुब्रा ने राफ्टिंग के अपने अनुभव को आगे लिखा है, यह आखिरी वीडियो है जब हम 18 फीट की राफ्ट के साथ 30 फीट की लहरों को चीरते हुए राफ्टिंग कर रहे थे, वो भी बिल्कुल पागलपन के साथ, जहां उथल-पुथल भी थी और शांति भी। मैं समझती हूँ हर किसी को ऐसी एक साहसिक यात्रा जरूर करनी चाहिए। क्योंकि इसके बाद, जीवन धीरे-धीरे उस व्यक्ति में बदल जाता है जो आप होने के लिए बने हैं।

फिल्मफेयर में 'बंदिश बैंडिट्स 2' का जलवा, दिव्या दत्ता ने शेयर की खुशी

मुंबई/एजेन्सी

इन दिनों फिल्मों के साथ-साथ वेब सीरीज भी दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ रही हैं। वेब सीरीज में नए कलाकारों के साथ-साथ बड़े और मंझे हुए सितारे नजर आते हैं, जो कहानी को और भी ज्यादा रोचक बना देते हैं। हाल ही में लोकप्रिय वेब सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स सीजन 2' ने आईएफएफआई और फिल्मफेयर अवॉर्ड में अपनी छाप छोड़ी। जहां, आईएफएफआई में 'बंदिश बैंडिट्स सीजन 2' को बेस्ट सीरीज का अवॉर्ड मिला। इसके अलावा, फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड्स में इसे बेस्ट म्यूजिक एल्बम का खिताब हासिल हुआ। आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित सीरीज में स्टारकास्ट काफी कमाल की है। इसमें दिव्या दत्ता, नसीरुद्दीन शाह, शीबा चड्ढा, श्रेया चौधरी समेत कई मंझे हुए कलाकार हैं। अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने सीरीज की उपलब्धि की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ की। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर टीम के साथ तस्वीर शेयर की, जिसमें नसीरुद्दीन शाह और रत्ना पाठक समेत अन्य लोग भी दिखे।

अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, इन पलों को दिल में हमेशा संजोकर रखूंगी और याद करूंगी। हमारी सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स सीजन 2' को आईएफएफआई गोवा में बेस्ट सीरीज के खिताब से नवाजा गया और फिल्म फेयर में बेस्ट म्यूजिक एल्बम के लिए पुरस्कार मिला।

अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें और शीबा चड्ढा को भी कई नॉमिनेशन मिले। उन्होंने लिखा, हम दोनों ने इस खुशी का जश्न साथ में मनाया था। यह वो शो है, जिस पर हमें गर्व है और इसका हिस्सा बनकर मुझे बेहद खुशी है।अभिनेत्री ने आखिरी में पूरी टीम को धन्यवाद किया।

उन्होंने लिखा, निर्देशक आनंद तिवारी को हमारी इस यात्रा के लिए शुक्रिया। साथ ही अमृतपाल सिंह बिंद्रा आप सबसे बेहतरीन प्रोड्यूसर हैं। अद्भुत कास्ट और क्रू को ढेर सारा प्यार। नसीरुद्दीन और रत्ना पाठक, आपकी मौजूदगी ने इस शाम को और भी ज्यादा खूबसूरत बना दिया।वेब सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स 2' पहले सीजन के बाद की कहानी को दिखाता है। सीरीज में राधे (ऋत्विक भौमिक) और तमन्ना (श्रेया चौधरी) एक टीवी प्रतियोगिता के जरिए अपने संगीत और रिश्तों की समस्याओं का हल ढूंढते हैं। सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

ऑस्कर के लिए शॉर्टलिस्ट होने पर खुशी से झूमी 'होमबाउंड' की स्टारकास्ट

मुंबई/एजेन्सी

निर्माता करण जौहर के होम प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'होमबाउंड' ने कान्स से लेकर ऑस्कर तक का सफर तय कर लिया है। फिल्म को ऑस्कर के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। ये फिल्म की पूरी टीम और कास्ट के लिए ये भावुक कर देने वाला पल है। करण जौहर, जाह्नवी कपूर, ईशान खट्टर, धर्मा प्रोडक्शन और कियारा आडवाणी ने ऑस्कर में फिल्म के शॉर्टलिस्ट होने को सपने को सच होने जैसा बताया है। करण जौहर ने फिल्म और फिल्म की पूरी कास्ट को बधाई देते हुए अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा कि 'होमबाउंड' ने कान्स से लेकर ऑस्कर तक का सफर तय कर लिया है। उन्होंने लिखा, 'मुझे नहीं पता कि मैं यह कैसे बताऊं कि मैं 'होमबाउंड' की जर्नी से कितना प्राउड, खुश और उत्साहित हूं। हमारे इतने सारे सपनों को सच करने के लिए नीरज घायवान, आपका धन्यवाद... कान्स से लेकर ऑस्कर शॉर्टलिस्ट तक, यह एक बहुत ही शानदार जर्नी रही है! इस खास फिल्म की पूरी कास्ट, क्रू और टीम को बहुत सारा प्यार।'

बता दें कि नीरज घायवान ने फिल्म की कहानी लिखी है और फिल्म को डायरेक्ट भी किया है। वहीं जाह्नवी कपूर ने शॉर्टलिस्ट में शामिल फिल्मों की फोटो शेयर करते हुए लिखा, होमबाउंड 98वें एकेडमी अवॉर्ड्स में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म के लिए शॉर्टलिस्ट हो गई है और फाइनल नॉमिनेशन जनवरी में होंगे। वहीं ईशान खट्टर ने खुशी जाहिर करते हुए बहुत सारे हार्ट इमोजी पोस्ट किए हैं।फिल्म में सेकेंड लीड रोल प्ले करने वाले विशाल जेठवा ने खुशी जाहिर करते हुए अपने पिता को याद किया है। अभिनेता ने लिखा, थैंक्यू भगवान जी, पापा होते तो बड़े खुश होते। बता दें कि फिल्म में ईशान खट्टर, जाह्नवी कपूर और विशाल जेठवा की होमबाउंड की स्क्रीनिंग बड़े फिल्म फेस्टिवल में हो चुकी है। फिल्म को कान्स फिल्म फेस्टिवल और टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाया जा चुका है और फिल्म को विदेश में स्टैंडिंग ओवेशन मिला था। अब फिल्म का ऑस्कर में शॉर्टलिस्ट होना फिल्मी उद्योग और देश के लिए गर्व की बात है।

'जीतो' साउथ की तीन दिवसीय 'मास्टर दि आर्ट ऑफ़ पब्लिक स्पीकिंग' कार्यशाला आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जीतो साउथ लेडीज़ विंग, जीतो लेडीज़ विंग अपेक्स एवं जीतो केकेजी ज़ोन के संयुक्त तत्वावधान में 'सक्षम' के अंतर्गत 'मास्टर दि आर्ट ऑफ़ पब्लिक स्पीकिंग'(मैप्स) की तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया जिसमें 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि मैप्स के माध्यम से प्रतिभागी क्या, कब, कैसे बोलना सीखेंगे ? जीतो साउथ के मुख्य सचिव नितिन लुनिया ने कहा कि आज के युग में पब्लिक स्पीकिंग सबसे महत्वपूर्ण सॉफ्ट स्किल है। नेतृत्व, व्यवसाय और सामाजिक जीवन, हर क्षेत्र में आपकी बात रखने की क्षमता ही आपकी पहचान बनाती है। केकेजी जीतो लेडीज़ विंग की संयोजिका पिंकी जैन ने इस कार्यशाला के उद्देश्य और दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। जीतो लेडीज़ विंग अपेक्स की चेयरपर्सन शीतल दुगड़ ने जीतो साउथ विंग के कार्यों की सराहना की। ङ्कप्रशिक्षक दिलीप जैन ने प्रतिभागियों को पहनावे और बॉडी लैंग्वेज के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि हाथों के इशारे भाषण की शोभा नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति को बढ़ाने का माध्यम होते हैं। प्रशिक्षक नमिता दुगड़ ने श्रोताओं से जुड़ाव पर विशेष जोर देते हुए कहा, जब आपकी आँखें जुड़ती हैं, तब आपके शब्द सीधे श्रोताओं के दिल तक पहुँचते हैं। उन्होंने भाषण में दो भाषाओं के संतुलित उपयोग, एक श्रोताओं की सामान्य भाषा और दूसरी हिंदी या अंग्रेज़ी की महत्ता बताईं।

साथ ही मुस्कान, वॉइस मॉड्यूलेशन और माइक एटीकेट पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुस्कान आपका सबसे सुंदर परिचय है और आपकी आवाज़ आपका सबसे शक्तिशाली साधन। इस प्रशिक्षण सत्र में मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। तीसरे व आखिरी दिन गुरुवार को मैप्स कार्यशाला सम्पन्न हुई। इस मौके पर जीतो अपेक्स, केकेजी जोन और चैप्टर के सदस्य उपस्थित थे। लेडीज़ विंग साउथ की मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने संचालन किया।

जिसकी दृष्टि बदलती है उसकी ही सृष्टि बदलती है : पंडित धीरेंद्र शास्त्री

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज ने किया धीरेन्द्र शास्त्री का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने अल्प प्रवास पर बुधवार सायं शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय प्रमुख व शर्मा ट्रांसपोर्ट्स के सुनील शर्मा के आमंत्रण पर शहर के कलासीपाल्यम स्थित शर्मा निवास पहुंचे, जहां सुनील शर्मा ने अपनी धर्मपत्नी संतोष शर्मा के साथ धीरेंद्र शास्त्री एवं श्रृंगेरी मठ के युवा संत विनय गुरुजी का स्वागत किया। शर्मा परिवार ने संतों का स्वागत करते हुए पादुका पूजन किया। ब्राह्मण समाज के उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि सनातन धर्म ही सर्वश्रेष्ठ धर्म है। हमें लोगों को न नास्तिक बनाना है न आस्तिक, हमें तो सिर्फ वास्तविक बनाना है। इंसान को धर्मानुसार आचरण करते हुए मन पर नियंत्रण पाना चाहिए। जीवन में मन का बड़ा खेल है जिसकी दृष्टि बदलती है उसकी सृष्टि बदलती है। उन्होंने आगामी पंद्रह फरवरी को बागेश्वरधाम पर करीब तीन सौ असहाय कन्याओं के सामूहिक विवाह के लिए सभी को आमंत्रण दिया। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बताया कि निकट भविष्य में हम सुनील शर्मा के यजमानत्व में तीन दिवसीय कथा का आयोजन बेंगलूरु में करेंगे। ङ्कसंत विनय गुरुजी ने भी धार्मिक प्रवचनों से सभी को लाभान्वित किया। इस अवसर पर सुनील शर्मा परिवार के सदस्य एवं अनेक ब्राह्मण बंधु उपस्थित थे।

क्रोध से बचने के लिए क्षमाभाव को आत्मसात करें : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शंकरपुरम में विराजित साध्वी भव्यगुणाजी ने कहा कि आत्मा को पावन बनाए वह पुण्य और आत्मा का पतन कराए वह पाप। समस्त पाप कर्मों का मूल है संसार का मोह। आठ प्रकार के कर्मों में सबसे अधिक शक्तिशाली मोहनीय कर्म है। इस कर्म के कारण आत्मा को सत्य-असत्य विषय में भ्रम होता है। मोह के वश रही आत्मा, अनुकूल प्रसंगों में राग और प्रतिकूल प्रसंगों में द्वेष करती रहती है। राग-द्वेष के वश होकर क्रोध, मान, माया और लोभ रूपी चार कषायों से पाप कर्मों में तीव्रता आती है। क्रोध करने से हमारे भीतर रहे क्षमापना का भाव नष्ट हो जाता है। जैसे अग्नि सर्वभक्षी है, वैसे ही क्रोध भी सर्वभक्षी है। करोड़ों वर्षों के संयम और तप के आचरण को भी क्षण भर में नष्ट करने की शक्ति क्रोध में है। क्रोध के कारण जीवों के प्रति रही प्रीति और मैत्री का भाव नष्ट हो जाता है, अतः क्रोध से बचने के लिए क्षमाभाव को आत्मसात करना चाहिए।

साध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि मान करने से विनय गुण नष्ट होता है। अभिमानी व्यक्ति किसी के अधीन नहीं रह सकता है। दुनिया में नियम है कि जो झुकता है वही कुछ प्राप्त करता है। अभिमानी किसी के आगे झुक नहीं सकता, अतः वह गुण की प्राप्ति और दोषों का नाश नहीं कर सकता है। अतः आत्मविकास में आगे नहीं बढता है। जिस विषय का हम अभिमान करते हैं, अगले जन्म में उसी विषय की हमें हानि होती है। माया यानी वक्रता। मायावी व्यक्ति के मन में कुछ और होता है और दिखावा कुछ और करता है। ऐसे व्यक्ति का विश्वास करने से अवश्य ही धोखा होता है। माया, आत्मा के संसार को पैदा करने वाली माता है। सरल बनकर इस माया के पाप को समाप्त करना चाहिए। लोभ सभी पापों का बाप है। लोभ से सभी गुणों का नाश होता है। लोभ का त्याग कर संतोषी नर ही सुखी बन सकता है। सुख के राग और दुःख के द्वेष से हमारी आत्मा ने खूब-खूब कर्मों का बंध किया है। इन सारे पापों से शाश्वत काल की मुक्ति तो मोक्ष में है। ऐसे मोक्ष को पाने के लिए दर्शन, ज्ञान और चारित्र की आराधना सर्वश्रेष्ठ है। परमात्मा के दर्शन से आत्मा के सम्यग्दर्शन गुण को शुद्ध करना है, गुरु भगवंतों की सेवा-शुश्रूषा से ज्ञान की प्राप्ति करनी है एवं दयाप्रधान धर्म से चारित्र प्राप्त करना है।

सूरत में गुरुवार को गुजरात के सूरत में पीपी सवानी परिवार द्वारा आयोजित बिना पिता वाली बेटियों के लिए शादी समारोह के दौरान दुल्हनें अपने परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों के साथ।

पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाने वालों के खिलाफ तीन साल में 12 मामले दर्ज किए गए : मंत्री

बेलगावी/दक्षिण भारत। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले तीन वर्षों में राज्य में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाने वालों के खिलाफ 12 मामले दर्ज किए गए हैं। गृह मंत्री यहां विधान परिषद में विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सी. टी. रवि के एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। परमेश्वर ने कहा, 'स्वतः संज्ञान लेते हुए छह मामले दर्ज किए गए हैं और शिकायत के आधार पर छह मामले दर्ज किए गए। दर्ज किए गए 12 मामलों में से पांच में आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है और दो मामलों में बी. रिपोर्ट दाखिल की जा चुकी है तथा तीन मामलों में जांच जारी है। एक मामले में सी रिपोर्ट दाखिल की जा चुकी है और एक मामले में फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला से रिपोर्ट का इंतजार है। बी रिपोर्ट का मतलब है समापन रिपोर्ट यानी मामले को बंद कर दिया गया है जबकि सी रिपोर्ट का मतलब जांच में शिकायत न तो सही पाई गई और न ही गलत। सी रिपोर्ट अक्सर अपर्याप्त सबूतों या तथ्य की गलती के कारण लगाई जाती है। विधान परिषद सदस्य जगदेव गुट्टेदार के एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वित्त विभाग ने राज्य पुलिस विभाग में 3,600 रिक्त पदों को भरने की मंजूरी दे दी है और अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया की जा रही है।

'गोटावत कप' की चैंपियन बनी पिरगल थंडरबोल्ट्स टीम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के पाली संघ द्वारा प्रथम बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट 'गोटावत कप 2025' का आयोजन किया गया जिसमें 8 टीमों के लगभग 80 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस आयोजन के टाइटल स्पॉन्सर भवरलाल, विक्रमकुमार गोटावत परिवार वाले थे। संघ के अध्यक्ष नरेश मुथा, सचिव राजेश मेहता एवं संपूर्ण क्रिकेट प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित थे। टूर्नामेंट में पिरगल थंडरबोल्ट्स टीम विजेता, पगारिया रॉयल्स टीम उपविजेता व लेख बडेरा मैन ऑफ दि टूर्नामेंट रहे। विजेता पिरगल थंडरबोल्ट्स के कप्तान आशिक पिरगल ने सभी को धन्यवाद दिया।

कर्नाटक भाजपा प्रमुख का प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। भारतीय जनता पार्टी की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने बृहस्पतिवार को प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर ''लूट'' और सरकारी खजाना खाली कर आलाकमान को पैसे भेजने का गंभीर आरोप लगाया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि कर्नाटक का खजाना लूटकर पार्टी आलाकमान को पैसा भेजा जा रहा है और राज्य उनके लिए 'एटीएम' बन गया है।

उन्होंने वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में करोड़ों के गबन और ठेकेदारों से कमीशन वसूलने का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार में विकास के नाम पर कुछ नहीं हो रहा।

इन आरोपों के जवाब में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने विजयेंद्र को वसूली का राजा बताया और कहा कि वे अपने पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा का नाम खराब करने के जिम्मेदार हैं।

उन्होंने विजयेंद्र को विधानसभा में आकर यह साबित करने की चुनौती दी कि कौन सा खजाना खाली है, साथ ही उन्हें अपनी मर्यादा में रहने की सलाह भी दी। इस बीच, विधानसभा सत्र और अब तक हुई चर्चाओं के बारे में विजयेंद्र ने कहा कि उन्हें ''निवर्तमान मुख्यमंत्री'' से उठाए गए मुद्दों के समाधान की कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा, आपको मुख्यमंत्री (सिद्दरामय्या) की स्थिति को समझना होगा। कोई नहीं जानता कि वह कब इस्तीफा देंगे। मुख्यमंत्री के बोलने के तरीके को सुनकर स्वाभाविक रूप से किसी के मन में यही सवाल आएगा कि आखिर वह इस पद पर कब तक रहेंगे? इसके अलावा, उन्होंने राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा पर 21.16 एकड़ जमीन हड़पने के आरोपों को गंभीर बताते हुए यह मुद्दा विधानसभा सत्र के दौरान उठाने की बात कही। विजयेंद्र ने शीतकालीन सत्र की अवधि बढ़ाने की विपक्ष की मांग पर सरकार से सकारात्मक प्रतिक्रिया न मिलने पर भी निराशा जताई।

अगले शैक्षणिक वर्ष तक 11,000 शिक्षकों की भर्ती पूरी हो जाएगी : एस. मधु बंगारप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्री एस. मधु बंगारप्पा ने कहा कि 11,000 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया अगले शैक्षणिक वर्ष तक पूरी हो जाएगी। बेलगावी के सुवर्णा विधान सौधा में चल रहे

विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र में, बेल्थंगडी के विधायक हरीश पूंजा राज्य में रिक्त शिक्षकों की भर्ती और वर्तमान में कार्यरत अतिथि शिक्षकों के बारे में जानकारी मांगने वाले एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। राज्य में 41,088 सरकारी प्राथमिक विद्यालय हैं और इनके लिए 1,78,935 पद स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 1,33,345 पद भरे जा चुके हैं और 45,590 पद रिक्त हैं। उन्होंने बताया कि रिक्त पदों को चरणबद्ध तरीके से भरने के लिए कदम उठाए जा चुके हैं।

राज्य में 5024 सरकारी उच्च विद्यालय हैं और इन विद्यालयों के लिए 44,144 पद स्वीकृत हैं। इनमें से 32010 पद भरे जा चुके हैं और 12,134 पद रिक्त हैं। वर्तमान रिक्तियों को पूरा करने के लिए, प्राथमिक विद्यालयों में 40,000 और उच्च विद्यालयों में 11,000 अतिथि शिक्षकों की भर्ती करके शिक्षकों की कमी को पूरा किया गया है। यह भर्ती 2025-2026 शैक्षणिक वर्ष के लिए कुल 51,000 है। साथ ही, यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं कि छात्रों को शिक्षा में कोई समस्या न हो। मंत्री ने बताया कि दिव्यांग छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए विशेष शिक्षकों की भी नियुक्ति की गई है। विधायक सुरेश कुमार ने शिक्षा पर एक दिवसीय चर्चा के लिए अध्यक्ष को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर एक दिवसीय चर्चा की अनुमति दी जाएगी और चर्चा के दौरान वरिष्ठ विधायकों के सुझावों और अनुशंसाओं को ध्यान में रखते हुए तदनुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री एस. मधु बंगारप्पा ने कहा कि वर्ष 2025-26 के बजट में कल्याणा कर्नाटक क्षेत्र के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के 5267 रिक्त पदों और राज्य के अन्य भागों में 5000 रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए कदम उठाए गए हैं, और नियमों के अनुसार उक्त पदों में द्विभाषी माध्यम शिक्षण के लिए शिक्षकों की नियुक्ति को प्राथमिकता दी जाएगी।

'गोटावत कप' की चैंपियन बनी पिरगल थंडरबोल्ट्स टीम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पाली संघ द्वारा प्रथम बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट 'गोटावत कप 2025' का आयोजन किया गया जिसमें 8 टीमों के लगभग 80 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस आयोजन के टाइटल स्पॉन्सर भवरलाल, विक्रमकुमार गोटावत परिवार वाले थे। संघ के अध्यक्ष नरेश मुथा, सचिव राजेश मेहता एवं संपूर्ण क्रिकेट प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित थे। टूर्नामेंट में पिरगल थंडरबोल्ट्स टीम विजेता, पगारिया रॉयल्स टीम उपविजेता व लेख बडेरा मैन ऑफ दि टूर्नामेंट रहे। विजेता पिरगल थंडरबोल्ट्स के कप्तान आशिक पिरगल ने सभी को धन्यवाद दिया।

बेंगलूरु में छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनगर। कॉलेज की एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार करने और घटना के वीडियो के जरिये उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में बेंगलूरु में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना अक्टूबर में बेंगलूरु दक्षिण जिले के मागड़ी तालुक में आरोपियों में से एक के घर पर हुई थी। इसने बताया कि तीन आरोपियों में से कॉलेज के दो छात्र हैं। पुलिस के अनुसार 19 वर्षीय छात्रा का मुख्य आरोपी से लगभग छह से सात महीने पहले संपर्क हुआ था और दोनों एक ही कॉलेज में पढ़ते हैं।

पुलिस ने बताया कि लड़के ने छात्रा से दोस्ती की, उसका विश्वास जीता और बाद में शादी का वादा करके उसके साथ शारीरिक संबंध बना लिये। इसने बताया कि आरोपी ने छात्रा की जानकारी के बिना इस कृत्य को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर लिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बाद में उसने वह वीडियो अपने दोस्तों को दिखाया, जो इस मामले में सह-आरोपी हैं। पुलिस ने बताया कि उसकी शिकायत के आधार पर 17 दिसंबर को मगदी पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 64 (बलात्कार), 70 (सामूहिक बलात्कार) और 71 (बार-बार अपराध करने वालों के लिए सजा) के तहत मामला दर्ज किया गया था। बेंगलूरु दक्षिण जिले के पुलिस अधीक्षक श्रीनिवास गौड़ा ने बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

चीन की राजधानी में छाई धुंध, 215 पर पहुंचा वायु गुणवत्ता सूचकांक

बीजिंग/भाषा। चीन की राजधानी बीजिंग में बृहस्पतिवार को धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बढ़कर 215 पर पहुंच गया, जो बेहद अस्वास्थ्यकारी स्तर माना जाता है। बीजिंग में वर्षों तक हवा साफ करने के लिए अभियान चलाया गया, जिसके बाद प्रदूषण इतनी तेजी से बढ़ना दुर्लभ माना जा रहा है। चीन की राष्ट्रीय वेधशाला ने बुधवार को 'येलो अलर्ट' जारी करते हुए देश के कुछ हिस्सों में भारी धुंध फैलने का पूर्वानुमान जताया है। वेधशाला ने कहा कि हेबेई, बीजिंग, तियानजिन, हेनान, अनहुई, जियांग्सू, हुबेई, सिचुआन बेसिन और चोंगचिंग में बृहस्पतिवार को भारी धुंध छाई रहने का पूर्वानुमान है। बीजिंग में प्रदूषित वायु गुणवत्ता के साथ धुंध इन दिनों कम ही देखने को मिलती है, जबकि पहले यहां भारी प्रदूषण देखा जाता था। सरकार ने 2016 में कई कदम उठाए थे, जिनमें भारी प्रदूषण का कारण बनने वाले उद्योगों को बंद करना और उन्हें स्थानांतरित करना शामिल था।

प्रयागराज में गुरुवार को कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जी राम जी बिल के तहत मनेरगा का नाम बदलने के प्रस्ताव पर विरोध प्रदर्शन किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**